दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-107 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 03 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रुपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

अगले तीन दिन में दस्तक दे रहा मानसून, दिल्ली-यूपी समेत 17 राज्यों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। देशभर के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अनुमान जताया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले 2 से 3 दिनों के भीतर केरल में प्रवेश कर सकता है। इसके साथ ही विभाग ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड समेत 17 राज्यों में भारी बारिश, ओलावृष्टि और 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है।

आईएमडी के अनुसार, सामान्यतः मानसून 1 जून के आसपास केरल पहुंचता है, लेकिन इस बार इसकी दस्तक में हल्की देरी हुई है। हालांकि, वर्तमान मौसमीय परिस्थितियां मानसून के आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह अनुकूल हैं। इसके प्रभाव से पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई इलाकों में 50 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गरज-चमक के साथ तूफान और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की आशंका जताई है।

उत्तर-पश्चिम भारत में मौसम का हाल

दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में 1 से 5 जून के बीच हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक की संभावना है। विशेष रूप से 3 और 4 जून को 50 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 3 और 4 जून को तेज आंधी की चेतावनी जारी की गई है, जबकि 2 और 5 जून को बारिश होने के आसार हैं। उत्तराखंड में 6 जून तक गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है।

राजस्थान में 2 जून को तेज हवाएं चल सकती हैं, जबकि 3 से 5 जून के बीच कई स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में 3 से 5 जून के दौरान तेज आंधी और कुछ इलाकों में ओलावृष्टि हो सकती है। 6 जून को भी बारिश के आसार बने हुए हैं।

मध्य और पश्चिमी भारत में बारिश का दौर

पश्चिमी मध्य प्रदेश में 2 और 3 जून को भारी बारिश की संभावना है, जबकि पूर्वी मध्य प्रदेश में 5 जून तक हल्की बारिश जारी रह सकती है। छत्तीसगढ़ और विदर्भ क्षेत्र में 2 से 5 जून के बीच गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

लगातार आंधी-तूफान और भारी बारिश से विद्युत व्यवस्था प्रभावित, 50 से अधिक पोल क्षतिग्रस्त

भोपाल (आरएनएस)। खैरा पलारी वितरण केंद्र अंतर्गत अधिकांश क्षेत्र में लगातार आ रहे तेज आंधी-तूफ़ान एवं बारिश के कारण विद्युत व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। खैरा पलारी वितरण केंद्र अंतर्गत 11 केवी एवं एलटी विद्युत लाइनों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार लगभग 50 से अधिक विद्युत पोल क्षतिग्रस्त अथवा टूट चुके हैं, जिससे कई क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित हुई थी विभागीय अधिकारियों के अनुसार खराब मौसम के कारण लगभग 3 वितरण ट्रांसफार्मर डीपी भी क्षतिग्रस्त हुई हैं तथा कई स्थानों पर विद्युत लाइनें प्रभावित होने से सप्लाई बाधित रही। लगातार तेज हवा, पेड़ गिरने एवं वर्षा के कारण सुधार कार्य में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

विद्युत विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग, फॉल्ट खोजने एवं सुधार कार्य जारी है विभागीय अमला युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए विद्युत आपूर्ति बहाल करने में जुटा हुआ है।

सीएम मोहन यादव ने दी बड़ी राहत, 48.32 लाख निजी संपत्तियों की रजिस्ट्री कराएगी सरकार

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में जनकल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में प्रदेश के विकास और विभिन्न योजनाओं के लिए करीब 21 हजार 485 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई। सबसे बड़ा फैसला स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की लाखों संपत्तियों की मुफ्त रजिस्ट्री कराने का रहा। कैबिनेट ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 को मंजूरी देते हुए तय किया कि जिन लोगों को स्वामित्व अधिकार अभिलेख मिल चुके हैं, उनकी संपत्तियों की रजिस्ट्री भी सरकार कराएगी। इससे ग्रामीण परिवारों को अपनी संपत्ति का कानूनी दस्तावेज मिलेगा और वे जरूरत पड़ने पर बैंक से ऋण लेकर मकान निर्माण, कृषि या व्यवसाय के लिए आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

प्रदेश में अब तक 68.11 लाख अधिकार अभिलेख तैयार किए गए हैं, जिनमें 48.32 लाख निजी संपत्तियां शामिल हैं। इन संपत्तियों की रजिस्ट्री के लिए लाभार्थियों से किसी प्रकार का स्टांप शुल्क या पंजीयन शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया पर आने वाला लगभग 3800 करोड़ रुपये का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। मध्यप्रदेश इस तरह की व्यवस्था लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनने जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 17 हजार 59 करोड़

कैबिनेट ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए 17 हजार 59 करोड़ रुपये से अधिक की मंजूरी दी। मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पतालों के संचालन के लिए वर्ष 2031 तक 14,363 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को बेहतर और निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने के लिए मेडिकल कॉलेजों में पीजी सीटों के विस्तार हेतु 657 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

800 रुपये में बिक रहा लेबर रूम का वीडियो, अस्पताल में वायरल फुटेज ने मचाई सनसनी

राजकोट (आरएनएस)। गुजरात से महिलाओं की प्राइवेसी (निजता) से खिलवाड़ का एक बेहद घिनौना और रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां अस्पतालों

के लेबर रूम में लगे सीसीटीवी (CCTV) कैमरों को हैक कर, प्रसव (डिलिवरी) और इलाज के दौरान महिलाओं के बेहद आपत्तिजनक वीडियो ऑनलाइन बेचे जा रहे थे। साइबर क्राइम की इस गंभीर घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है।

यह पूरा मामला 17 फरवरी 2025 को तब उजागर हुआ, जब सोशल मीडिया पर एक अस्पताल के लेबर रूम का वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में बेड पर लेटी एक गर्भवती महिला को नर्स इंजेक्शन लगा रही थी। वीडियो के नीचे लिखा था— पूरा वीडियो देखने के लिए यहां संपर्क करें और इसके साथ एक टेलीग्राम ग्रुप का लिंक दिया गया था। टेलीग्राम पर यह गिरोह पैसे लेकर महिलाओं के मेडिकल चेकअप से लेकर डिलिवरी तक की पूरी फुटेज बेच रहा था। अस्पताल प्रबंधन की शिकायत के बाद हरकत में आई अहमदाबाद पुलिस और साइबर टीम ने जब जांच शुरू की, तो उनके होश उड़ गए। पुलिस ने देश के अलग-अलग राज्यों से अब तक इस गिरोह के 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जांच में पता चला है कि इस शातिर गिरोह ने इंटरनेट पर बाकायदा एक पूरा बिजनेस मॉडल तैयार कर रखा था, जिसे वे कुछ इस तरह अंजाम देते थे।

परमाणु अधिकार स्वीकारें और प्रतिबंध हटाएं, तब बताएंगे आपकी 'ऐतिहासिक जीत'

>>> ट्रंप के बयान पर ईरानी दूतावास का व्यंगात्मक पलटवार

नई दिल्ली,(ए.)। अमेरिका और ईरान के मध्य जारी तनाव के बीच सोशल मीडिया पर बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक तीखे बयान पर भारत स्थित ईरानी दूतावास ने व्यंग्यात्मक अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि यदि अमेरिका ईरान के परमाणु अधिकारों को स्वीकार कर ले, प्रतिबंध समाप्त कर दे, नुकसान का हर्जाना भरे और क्षेत्रीय सैन्य दबाव खत्म करे, तो तेहरान खुशी-खुशी इसे अमेरिका की महान और ऐतिहासिक जीत बताएगा।

दरअसल, ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक लंबी पोस्ट साझा करते हुए अमेरिकी मीडिया और विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी पर निशाना साधा था। उन्होंने दावा किया कि यदि ईरान पूरी तरह आत्मसमर्पण भी कर दे, तब भी कुछ मीडिया संस्थान इसे ईरान की जीत के रूप में प्रस्तुत करेंगे। ट्रंप ने आरोप लगाया कि अमेरिकी मीडिया और डेमोक्रेट्स वास्तविकता को तोड़-मरोड़कर पेश करते हैं और उनकी उपलब्धियों को कमतर दिखाने का प्रयास करते हैं।

ट्रंप की इसी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यदि अमेरिका ईरान के परमाणु अधिकारों को मान्यता दे, सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करे, क्षेत्र से अपनी सैन्य मौजूदगी हटाए, नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करे, ईरानी जनता पर लगाए गए प्रतिबंध वापस ले और युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई करे, तब ईरान दुनिया को बताएगा कि अमेरिका ने महान और ऐतिहासिक जीत हासिल की है।

ईरानी दूतावास की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब दोनों देशों के बीच परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक प्रतिबंधों को लेकर तनाव बना हुआ है।

15 साल में कैसे बने सिक्सर किंग, वैभव सूर्यवंशी पर आईआईएम इंदौर करेगा स्टडी

इंदौर (आरएनएस)। महज 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने अपनी आतिशी बल्लेबाजी से हर तरफ सनसनी फैला रखी है। आईपीएल में कम उम्र

में अपनी असाधारण प्रतिभा और शानदार प्रदर्शन से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले वैभव अब एक खास अकादमिक अध्ययन का विषय बनेंगे।

दरअसल, आईआईएम इंदौर उनकी 15 वर्ष की आयु में मिली सफलता, उसके पीछे के कारणों और उपलब्धियों के प्रभावों पर व्यापक शोध करेगा।

आईआईएम इंदौर के डायरेक्टर हिमांशु राय ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी की यात्रा इस बात का प्रमाण है कि असाधारण प्रतिभा को यदि सही वातावरण, मार्गदर्शन और अवसर मिलें तो वह असाधारण परिणाम दे सकती है। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़ी उपलब्धि के पीछे केवल व्यक्ति का प्रयास नहीं होता, बल्कि परिवार, प्रशिक्षकों, सामाजिक सहयोग और संस्थागत समर्थन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

ममता बैनर्जी को एक और तगड़ा झटका लगने की तैयारी, हो सकता है टीएमसी का बंटवारा

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में सत्ता गंवा चुकी ममता बैनर्जी को एक और झटका लग सकता है। यह झटका है कि तृणमूल कांग्रेस के बंटवारे का। मीडिया रिपोर्टस में दावा किया जा रहा है कि टीएमसी दो गुटों में बंट सकती है। टीएमसी से निकाले गए नेता रिजू दत्ता के दावे के मुताबिक 80 में से 50 से ज्यादा विधायक खुद को असली तृणमूल बताने की तैयारी कर रहे हैं। रिजू ने दावा किया है कि आज ये सभी विधायक विधानसभा स्पीकर के पास जाएंगे और तीन मुद्दे उठाएंगे। पहला- हम ही असली तृणमूल कांग्रेस हैं।

दूसरा, विपक्ष के नेता ऋतब्रत होंगे, न कि शोभनदेव। तीसरा, हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए चुनाव चिह्न हमारा होना चाहिए। टीएमसी के निष्कासित प्रवक्ता ने कहा, पहला, हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है। करीब 50 विधायक हमारे साथ हैं, हम असली तृणमूल कांग्रेस हैं। दूसरा, चूंकि हम असली तृणमूल कांग्रेस हैं, इसलिए विपक्ष के नेता रितब्रता बनर्जी होंगे न कि शोभनदेव चट्टोपाध्याय। तीसरा, हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए यह चिन्ह हमारा होना चाहिए।

शिवकुमार आज लेंगे कर्नाटक के नए सीएम पद की शपथ, तैयारी पूरी

-राहुल गांधी समेत कांग्रेस के कई राष्ट्रीय नेताओं के समारोह में शामिल होने की उम्मीद

बेंगलुरु,(ए.)। कर्नाटक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार 3 जून यानी बुधवार को कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक शिवकुमार के साथ पहले चरण में करीब 10 से 12 विधायकों के मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। बेंगलुरु के लोक भवन स्थित ग्लास हाउस में इस भव्य शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए राहुल गांधी समेत कांग्रेस के कई उच्च राष्ट्रीय नेताओं के बेंगलुरु पहुंचने की उम्मीद है।

इस प्रस्ताव पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केसी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला की देर

रात हुई बैठक में चर्चा की गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवकुमार ने पार्टी नेतृत्व को सूचित किया है कि वह अपनी सरकार में किसी भी डिप्टी सीएम को नहीं चाहते हैं। इस मामले पर अंतिम फैसला राहुल गांधी द्वारा लिए जाने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक सिद्धारमैया ने डिप्टी सीएम पदों के लिए तीन नेताओं के नामों की सिफारिश की है जिनमें दलित समुदाय से जी परमेश्वर, लिंगायत समुदाय से एमबी पाटिल, मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले ज़मीर अहमद खान।

सिद्धारमैया कैबिनेट में अपने वफादारों को शामिल करने पर ज़ोर दे रहे हैं। सिद्धारमैया के बेटे, यतींद्र सिद्धारमैया को कैबिनेट में शामिल किए जाने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक सिद्धारमैया ने अपने कई करीबी सहयोगियों को शामिल करने का भी अनुरोध किया है, जिनमें ज़मीर अहमद खान, एच सी महादेवप्पा, संतोष लाड, बसवराज रायरेड्डी, बेंकटेश, बी सुरेश, पुत्तरंगशेट्टी और बी के हरिप्रसाद शामिल हैं। कांग्रेस आलाकमान से उम्मीद है कि वह शिवकुमार के साथ विचार-विमर्श के बाद इन नामों पर अंतिम फैसला लेगा।

सैफ अली खान से नवाब की संपत्तियों के मूल दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग, शत्रु संपत्ति की जांच के लिए बताया जरूरी

भोपाल (आरएनएस)। भारत सरकार ने शत्रु संपत्ति प्रकरण में सैफ अली खान, शर्मिला टैगोर (पटौदी), सबाह अली खान, सोहा अली खान तथा सबीहा सुल्तान को नवाब भोपाल की संपत्तियों का परिवारजन मानते हुए नोटिस जारी किए थे। वहीं इन सभी ने शत्रु संपत्ति मामले में हाईकोर्ट जबलपुर में भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन को पक्षकार बनाकर याचिकाएं दायर की थीं। सैफ अली खान एवं अन्य परिवारजनों ने नवाब भोपाल की निजी संपत्तियों से संबंधित 29 अप्रैल 1949 को तत्कालीन अधिकारी वीपी मेनन द्वारा हस्ताक्षरित मूल नक्शा, 30 अप्रैल 1949 का मूल मर्जर एग्रीमेंट तथा एक जून 1949 से पूर्व तैयार नवाब भोपाल की व्यक्तिगत संपत्तियों की मूल सूची सार्वजनिक कराई जाए

सलमान खान ने काला हिरण के निर्माताओं को भेजा कानूनी नोटिस

मुंबई (आरएनएस)। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने %काला हिरण' फिल्म के निर्माताओं को एक कानूनी नोटिस भेजा है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म 1998 के काले हिरण (ब्लैक बक) के शिकार के मामले से प्रेरित है। सलमान खान ने आरोप लगाया है कि इस फिल्म से उनके व्यक्तिगत संबंधी अधिकारों का घोर उल्लंघन हुआ है, और उन्होंने फिल्म की रिलीज़ और इसके प्रचार-प्रसार से जुड़ी सभी गतिविधियों को रोकने की मांग की है।

श्री खान के कानूनी प्रतिनिधियों ने फिल्म के कास्टिंग निदेशक अक्षय पांडे को जारी किये गये नोटिस में यह तर्क दिया गया है कि यह प्रोजेक्ट काले हिरण मामले से जुड़ी चल रही न्यायिक कार्यवाही पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है और अभिनेता की प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति पहुंचा सकता है।

त्विषा शर्मा केसः पूर्व जज गिरिबाला सिंह ने जेल में मांगी सुरक्षा, अदालत ने स्वीकार की मांग; बताया था खतरा

भोपाल (ए.)। त्विषा शर्मा दहेज मृत्यु मामले की आरोपी और पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह ने मंगलवार को भोपाल केंद्रीय जेल में सुरक्षित स्थान की मांग की। उन्होंने आशंका जताई कि जेल में ऐसे कई कैदी बंद हैं जिन्हें उनके न्यायाधीश रहते हुए सुनाए गए फैसलों में सजा हुई थी, इसलिए उनकी सुरक्षा को खतरा हो सकता है। मामले की सुनवाई कर रही अदालत ने उनकी इस मांग को स्वीकार कर लिया। यह जानकारी एक वकील ने दी।

सीबीआई रिमांड समाप्त होने के बाद भोपाल की अदालत ने त्विषा शर्मा के पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। दोनों पर दहेज प्रताड़ना का आरोप है। गिरिबाला सिंह वर्तमान में भोपाल केंद्रीय जेल में बंद हैं। गौरतलब है कि मॉडल त्विषा शर्मा 12 मई को भोपाल स्थित अपने ससुराल में फांसी के फंदे पर लटकी हुई मिली थीं।

बेटे समर्थ सिंह के साथ दुर्व्यवहार

पूर्व न्यायाधीश गिरिबाला सिंह ने अदालत में कहा कि त्विषा शर्मा परिवार की ओर से पैरवी कर रहे एक वकील ने उनके बेटे समर्थ सिंह के साथ दुर्व्यवहार किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मामले की शुरुआत से ही उन्हें और उनके बेटे को मीडिया ट्रायल का सामना करना पड़ रहा है। एक समय भोपाल की जिला एवं सत्र न्यायाधीश रह चुकीं गिरिबाला सिंह ने न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शोभना भलावे से अपनी बात रखने की अनुमति मांगी। उन्होंने आरोप लगाया कि जबलपुर जिला अदालत में एक वकील (अनुराग श्रीवास्तव) ने उनके बेटे पर हमला किया था।

त्विषा शर्मा केस : गिरिबाला और समर्थ को कोर्ट लेकर पहुंची सीबीआई, नहीं की रिमांड बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली,(आरएनएस)। मॉडल-अभिनेत्री त्विषा शर्मा की मौत के हाइप्रोफाइल मामले में सीबीआइ ने मंगलवार दोपहर पूर्व जज गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह को विशेष अदालत में पेश किया। यहां आरोपी गिरिबाला सिंह समर्थ सिंह की रिमांड मांगने से इनकार कर दिया है।

त्विषा शर्मा की 12 मई को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। शुरुआती जांच के बाद केस सीबीआई को सौंप दिया गया। एजेंसी ने पांच दिन पूर्व मिली रिमांड अवधि के दौरान त्विषा की सास गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह से पूछताछ की है, लेकिन साजिश की पूरी कड़ियां जोड़ने के लिए समर्थ को दोबारा रिमांड पर लेना जरूरी माना जा रहा है।

सीबीआइ शादी के समय त्विषा को मायके और रिश्तेदारों से मिले सोने के उपहारों (स्त्रीधन) को जब्त करने की तैयारी में है। इसके लिए एक जौहरी को भी तलब किया है, जो बरामद होने वाले जेवरातों की शुद्धता और उसकी मौजूदा कीमत का मूल्यांकन करेगा। इस जब्ती को केस डायरी में दहेज प्रताड़ना और वित्तीय साक्ष्य के रूप में शामिल किया जा सकता है।

भोजशाला में बनेगा भव्य सरस्वती लोक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

>>> राजा भोज की कर्मस्थली धार में होगी भोज शोध संस्थान की स्थापना

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धार स्थित भोजशाला परिसर में राज्य सरकार भव्य सरस्वती लोक बनायेगी, यहाँ राजा भोज संस्थान की स्थापना भी की जायेगी। राजा भोजपाल द्वारा स्थापित यह भोजशाला सदियों तक ज्ञान-विज्ञान-अनुसंधान और संस्कृत भाषा का सबसे प्रखर केन्द्र रहा है। यहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी और विद्वान ज्ञान अर्जित करने और शास्त्रों पर विमर्श करने आते थे। राज्य सरकार भोजशाला के उसी गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने के लिए सभी जरूरी प्रयास करेगी। राजा भोज की कर्मस्थली धार में राजा भोज शोध संस्थान की भी स्थापना की जायेगी। भोजशाला के लिए हुए आंदोलन में शहादत देने वाले तीन शहीदों स्व. श्री बनसिंह, स्व. श्री अंतरसिंह एवं स्व. श्री लक्मृण सिंह के निकटतम परिजन को राज्य सरकार की ओर से 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में ये विचार व्यक्त किए। प्रदेश में गेहूं उपार्जन के नए रिकार्ड के लिए, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिवादन किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के राष्ट्र सेवा के सफल 12 वर्ष के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 26 मई 2026 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र सेवा के सफल 12 वर्ष पूर्ण हुये हैं। देशवासियों की आशा के प्रतीक प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विगत 12 वर्षों में भारत ने विकास के साथ आत्मनिर्भरता, सुरक्षा, सांस्कृतिक गौरव, डिजिटल क्रांति और वैश्विक नेतृत्व के नए आयाम स्थापित किए हैं। अंत्योदय की भावना के साथ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा है। राष्ट्र प्रथम की भावना से GYAN मंत्र में गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के उत्थान तक, सीमाओं की सुरक्षा से नक्सल व आतंक मुक्त भारत के निर्णायक परिणाम तक, भारत ने अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी को बधाई दी।

समान नागरिक संहिता के संबंध में 15 जून तक दिए जा सकेंगे सुझाव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समान नागरिकता संहिता के संबंध में सुझाव प्राप्त करने के लिए वेबसाईट निर्माण की पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि जिलों में उच्च स्तरीय समीति द्वारा भ्रमण किया जा रहा है, जहां जन सामान्य, राजनीतिक दल, गैर शासकीय संगठन आदि इस संबंध में अपना मत प्रस्तुत करेंगे। सुझाव देने की अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रिगण को यूसीसी के लिये बनी इस उच्च स्तरीय समिति और इसके कार्यों तथा वेबसाईट का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इससे हमें अधिक से अधिक सुझाव प्राप्त हो सकेंगे।

प्रदेश के आधुनिक कौशल प्रशिक्षण मॉडल से युवाओं को विदेश में मिल रहे हैं रोजगार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में विकसित हो रहा कौशल तंत्र अब युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय रोजगार अवसरों से भी जोड़ रहा है। संस्थान के बैच-9 के तीन विद्यार्थियों का चयन हंगरी में रोजगार के लिए हुआ है। चयनित विद्यार्थी हंगरी पहुंचकर अपने पेशेवर दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ कर चुके हैं। इस वर्ष माह अप्रैल-मई 2026 में 16 कम्पनियों में 236 बच्चों को प्लेस किया है। यह उपलब्धि प्रदेश में विकसित हो रहे आधुनिक कौशल प्रशिक्षण मॉडल और उद्योगोन्मुख शिक्षा व्यवस्था को रेखांकित करती है।

वर्ष 2025-26 में दुग्ध उत्पादकों को 1609 करोड़ रुपए का भुगतान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन 9 लाख 67 हजार किलोग्राम औसत दुग्ध संकलन की उपलब्धि दर्ज हुई है। दुग्ध संघों ने दुग्ध उत्पादक किसानों को गत वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत से अधिक राशि का भुगतान किया गया है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मार्गदर्शन में हुए कार्यों से वर्ष 2024-25 में 1398 करोड़ रूपए की तुलना में वर्ष 2025-26 में दुग्ध उत्पादकों को 1609 करोड़ रुपए की राशि के भुगतान में सफलता मिली है।

नरसिंहपुर पुलिस की तत्परता से साइबर ठगी के शिकार युवक को वापस मिले 4 लाख 39 हजार रुपए

शादी के डिजिटल निमंत्रण के नाम पर मोबाइल हैक कर की गई ठगी

भोपाल(ए.)। साइबर अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई और आमजन की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार त्वरित एवं परिणामोन्मुखी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नरसिंहपुर पुलिस ने साइबर ठगी के एक मामले में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करते हुए पीड़ित युवक के बैंक खाते से धोखाधड़ी कर निकाली गई संपूर्ण राशि 4 लाख 39 हजार वापस कराने में सफलता हासिल की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नरसिंहपुर जिले के ग्राम खंचारी निवासी युवक के मोबाइल फोन पर शादी के निमंत्रण के नाम से एक संदिग्ध APK फाइल प्राप्त हुई थी। डिजिटल निमंत्रण समझकर फाइल पर क्लिक करते ही उसका मोबाइल फोन साइबर अपराधियों के नियंत्रण में चला गया। इसके बाद ठगों ने बैंक खाते से 16 अलग-अलग ट्रांजेक्शनों के माध्यम से कुल 4 लाख 39 हजार रूपए की राशि धोखाधड़ीपूर्वक निकाल ली।

घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित द्वारा पुलिस से संपर्क किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में साइबर सेल की विशेष टीम ने तत्काल कार्रवाई प्रारंभ की। टीम द्वारा संबंधित बैंक एवं वित्तीय संस्थानों से समन्वय स्थापित कर संदिग्ध खातों को चिन्हित किया गया तथा आवश्यक तकनीकी एवं वित्तीय प्रक्रिया अपनाते हुए राशि को होल्ड कराया गया।

नरसिंहपुर पुलिस की त्वरित, सतर्क एवं प्रभावी कार्यवाही के परिणामस्वरूप पीड़ित की संपूर्ण राशि 4 लाख 39 हजार वापस कराई गई। अपनी मेहनत की कमाई वापस मिलने पर पीड़ित एवं उनके परिजनों ने मध्यप्रदेश पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया।

मध्यप्रदेश पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अज्ञात लिंक, APK फाइल, डिजिटल निमंत्रण, मैसेज अथवा मोबाइल एप्लीकेशन को बिना सत्यापन डाउनलोड या ओपन न करें। साइबर अपराधी विभिन्न प्रकार के प्रलोभन, ऑफर, नौकरी, लॉटरी, बैंक अपडेट, केवाईसी अथवा विवाह निमंत्रण जैसे माध्यमों का उपयोग कर लोगों को धोखाधड़ी का शिकार बना रहे हैं।

पुलिस ने नागरिकों को सलाह दी है कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर समय गंवाए बिना तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

लखनऊ में यार्ड ब्लॉक, भोपाल मंडल की 4 ट्रेनें प्रभावित, लखनऊ रूट के यात्रियों को होगी परेशानी

भोपाल (ए.)। लखनऊ मंडल में यार्ड ब्लॉक के कारण भोपाल मंडल से गुजरने वाली चार प्रमुख ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। दो ट्रेनों का आंशिक निरस्तीकरण किया गया है, जबकि दो ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है। रेलवे ने यात्रियों को यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की सलाह दी है।

उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में चल रहे यार्ड ब्लॉक का असर अब भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली ट्रेनों पर भी दिखाई देने लगा है। रेलवे ने चार महत्वपूर्ण ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। इनमें कुछ ट्रेनों का मार्ग बदला गया है तो कुछ को गंतव्य स्टेशन से पहले ही समाप्त किया जाएगा। इससे हजारों यात्रियों की यात्रा योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं।

लखनऊ तक नहीं पहुंचेगी यशवंतपुर-लखनऊ एक्सप्रेस

रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 22683 यशवंतपुर-लखनऊ एक्सप्रेस 1 जून को अपने निर्धारित गंतव्य लखनऊ तक नहीं जाएगी। यह ट्रेन उतरेटिया स्टेशन पर ही समाप्त कर दी जाएगी। वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 22684 लखनऊ-यशवंतपुर एक्सप्रेस 4 जून को लखनऊ के बजाय उतरेटिया स्टेशन से ही रवाना होगी।

दो ट्रेनों का बदला मार्ग

यार्ड ब्लॉक के कारण गाड़ी संख्या 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस का मार्ग भी बदला गया है। यह ट्रेन 1 से 3 जून तक अपने नियमित मार्ग मानक नगर-लखनऊ-मल्हौर के बजाय मानक नगर-ऐशबाग-मल्हौर होकर संचालित होगी। इस दौरान ट्रेन लखनऊ स्टेशन नहीं जाएगी और उसकी जगह ऐशबाग तथा बादशाह नगर स्टेशन पर ठहराव रहेगा। वहीं गाड़ी संख्या 12173 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-प्रतापगढ़ एक्सप्रेस 2 जून को कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-रायबरेली-प्रतापगढ़ मार्ग के बजाय कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज-फाफामऊ-प्रतापगढ़ होकर चलेगी। इसके चलते ट्रेन लखनऊ, रायबरेली और अमेठी स्टेशन नहीं पहुंचेगी।

त्विषा शर्मा केसः चोटों के सवाल पर नहीं मिले जवाब, गिरिबाला-समर्थ को फिर रिमांड पर लेने की तैयारी

भोपाल (ए.)। भोपाल के बहुचर्चित और हाईप्रोफाइल त्विषा शर्मा दहेज मृत्यु मामले में मंगलवार का दिन जांच और कानूनी प्रक्रिया के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दहेज हत्या सहित अन्य धाराओं में आरोपी बनाई गईं सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह और त्विषा शर्मा के पति एवं अधिवक्ता समर्थ सिंह की पांच दिन की सीबीआई रिमांड आज दोपहर दो बजे समाप्त हो रही है। सीबीआई दोनों आरोपियों को विशेष अदालत में पेश कर तीन दिन की अतिरिक्त रिमांड मांगने की तैयारी कर रही है। वहीं आरोपी पक्ष के वकील इस बार रिमांड बढ़ाने का पुरजोर विरोध करने की रणनीति बना चुके हैं।

पांच दिन तक चली पूछताछ, अब फिर कोर्ट की शरण में सीबीआई

सीबीआई पिछले पांच दिनों से गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह से लगातार पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसी का मानना है कि मामले के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर अभी और पूछताछ की आवश्यकता है। इसी कारण सीबीआई दोनों

आरोपियों को भोपाल की विशेष अदालत में पेश कर तीन दिन की अतिरिक्त रिमांड मांग सकती है। हालांकि बचाव पक्ष भी इस बार पूरी तैयारी के साथ अदालत में उतरेगा और रिमांड बढ़ाने का विरोध करेगा।

घटना का री-क्रिएशन कराया, दिल्ली से पहुंची फॉरेंसिक टीम

जांच के दौरान सीबीआई ने घटना का पूरा री-क्रिएशन भी कराया है। इसके लिए सीबीआई की दिल्ली यूनिट से फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम विशेष रूप से भोपाल पहुंची थी। टीम ने घटनास्थल और उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं की बारीकी से जांच की है।

इसके बावजूद जांच एजेंसी को अब तक त्विषा शर्मा के शरीर पर मिले चोटों के निशानों को लेकर कोई स्पष्ट और संतोषजनक जवाब नहीं मिला है।

चोटों के सवाल पर आरोपियों की चुप्पी बनी जांच का केंद्र

पूछताछ के दौरान गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह चोटों के संबंध में अनभिज्ञता जता रहे हैं। दोनों का कहना है कि संभवतः शव को फंदे से नीचे उतारते समय ये चोटें लगी होंगी। हालांकि जांच एजेंसी इस दावे को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। भोपाल एम्स की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में त्विषा शर्मा के सिर में चोट और क्लॉटिंग का उल्लेख किया गया है। इसके अलावा शरीर पर लगभग आधा दर्जन चोटों का भी जिक्र रिपोर्ट में मौजूद है। यही वजह है कि सीबीआई चोटों के कारणों को जांच का महत्वपूर्ण बिंदु मानकर आगे बढ़ रही है।

सिर्फ 8 मशीनों पर मरीजों का बोझ

भोपाल (ए.)। हमीदिया अस्पताल भोपाल ही नहीं, बल्कि सीहोर, रायसेन, विदिशा, राजगढ़, नर्मदापुरम और आसपास के जिलों के मरीजों के लिए भी सबसे बड़ा सरकारी केंद्र है। किडनी रोगियों को सप्ताह में दो से तीन बार डायलिसिस कराना पड़ता है, लेकिन मशीनों की कमी के कारण सभी मरीजों को सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है। डायलिसिस का एक सत्र निजी अस्पतालों में करीब दो हजार रुपये या उससे अधिक का पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए सरकारी अस्पताल ही एकमात्र सहारा है, लेकिन यहां क्षमता सीमित होने के कारण चुनिंदा मरीजों को ही नियमित डायलिसिस मिल पाता है। बाकी मरीजों को दूसरे अस्पतालों में रेफर किया जाता है।

पांच साल से मांग, फिर भी नहीं मिली नई मशीनें

जानकारी के अनुसार डायलिसिस विभाग पिछले पांच वर्षों से लगातार हर साल 10 नई मशीनों की मांग कर रहा है, लेकिन गांधी मेडिकल कॉलेज प्रबंधन अब तक मशीनें उपलब्ध नहीं करा पाया। नतीजतन पुरानी मशीनों पर लगातार बढ़ता दबाव मरीजों के लिए खतरा बनता जा रहा है।

डॉक्टर बोले- समय सीमा से ज्यादा चल चुकी हैं मशीनें

विभाग के डॉ. हिमांशु शर्मा ने बताया कि मशीनें काफी पुरानी हो चुकी हैं, इसलिए समय-समय पर तकनीकी दिक्कतें आती रहती हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि अस्पताल में लगी मशीनें अपनी निर्धारित समयावधि से अधिक काम कर चुकी हैं। विभाग ने 10 नई मशीनों की मांग भेजी है और उम्मीद है कि जल्द नई मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी।

मशीनों की उम्र हो चुकी पूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार किसी भी डायलिसिस मशीन का सामान्य जीवनकाल लगभग 7 से 10 वर्ष या 15 से 20 हजार घंटे के उपयोग तक माना जाता है। नियमित रखरखाव से मशीनों की कार्यक्षमता बढ़ सकती है, लेकिन तकनीकी उन्नयन और सुरक्षा मानकों को देखते हुए कई अस्पताल 5 से 7 साल बाद ही मशीनें बदलना शुरू कर देते हैं। ऐसे में हमीदिया की 12 से 15 साल पुरानी मशीनों का इस्तेमाल चिंता बढ़ाने वाला है।

जिम्मेदारों ने झाड़ा पल्ला

जब इस संबंध में हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुमित टंडन से बात की गई तो उन्होंने कहा कि यह मामला उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता और इस बारे में डीन से चर्चा की जाए।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का सिक्किम, गोवा एवं तेलंगाना राज्य के स्थापना दिवस के संयुक्त समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के कलाकारों के साथ लोकभवन के सांदीपनि सभागार में समूह चित्र।

आईटीआई प्रवेश अभियान को जनआंदोलन बनाने के निर्देश, हर प्रशिक्षणार्थी को रोजगार से जोड़ने पर जोर

मंत्री श्री टेटवाल ने प्रदेश के आईटीआई प्राचार्यों और अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

भोपाल (ए.)। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने प्रदेश के सभी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के संयुक्त संचालकों, प्राचार्यों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक कर आगामी प्रवेश सत्र, प्रशिक्षण गुणवत्ता, परीक्षाओं की तैयारियों तथा रोजगार एवं प्लेसमेंट गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में संचालक कौशल विकास संचालनालय बसंत कुर्रे एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी एमपीएसएसडीईजीबी गिरीश शर्मा भी उपस्थित रहे।

बैठक में मंत्री श्री टेटवाल ने एसएसआर ग्लोबल स्किल्स पार्क के उन प्रशिक्षणार्थियों के अभिभावकों से संवाद किया, जिनका चयन प्रतिष्ठित औद्योगिक समूह एसआरएफ लिमिटेड की अंतर्राष्ट्रीय इकाई में हुआ है। जुलाई 2024 बैच के तीन प्रशिक्षणार्थी वर्तमान में कंपनी की हंगरी स्थित इकाई में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मंत्री श्री टेटवाल ने इसे मध्यप्रदेश की कौशल विकास व्यवस्था की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा अब वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने चयनित प्रशिक्षणार्थियों एवं उनके परिवारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि प्रदेश में कौशल विकास को रोजगारोन्मुखी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि गत वर्ष संचालित चलो आईटीआई अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आए थे और उपलब्ध सीटों पर 95 प्रतिशत से अधिक प्रवेश सुनिश्चित हुए थे। इस वर्ष प्रदेश के आईटीआई संस्थानों में लगभग 55 हजार से अधिक सीटें उपलब्ध हैं तथा लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में और अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने का है। इसको भी शत-प्रतिशत प्राप्त किया जाए।

मंत्री श्री टेटवाल ने प्रदेश के आईटीआई प्राचार्यों और अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

भोपाल(ए.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लोक निर्माण विभाग (PWD) के पूर्व इंजीनियर-इन-चीफ (ईएनसी) गोविंद प्रसाद मेहरा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 67 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की चल और अचल संपत्तियां कुर्क कर ली हैं। जांच में आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों के बीच मेहरा और उनके परिवार से जुड़ी संपत्तियों का खुलासा हुआ है।

ईडी की जांच में सामने आया कि नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर क्षेत्र के सैनी गांव में लगभग 72 एकड़ भूमि पर विकसित एक विशाल कृषि फार्म को अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त लग्जरी फार्महाउस का स्वरूप दिया गया था। परिसर में कॉटेज, आवासीय इकाइयां, आंतरिक सड़कें, कृत्रिम जलाशय, स्विमिंग पूल तथा अन्य सुविधाएं विकसित की गई थीं। जांच एजेंसी के अनुसार इस संपत्ति का बाजार मूल्य करीब 49 करोड़ रुपये से अधिक और विकास कार्यों पर लगभग 16 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

मामले की शुरुआत लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज उस प्रकरण से हुई, जिसमें गोविंद प्रसाद मेहरा पर सेवा अवधि के दौरान आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया गया था। जांच में पाया गया कि सरकारी सेवा के दौरान उनकी वैध आय की तुलना में कहीं अधिक संपत्ति और खर्च सामने आए, जिससे बड़ी मात्रा में अनुपातहीन संपत्ति का मामला उजागर हुआ। ईडी द्वारा की गई तलाशी कार्रवाई में 8.79 लाख रुपये नकद, करीब 3.51 करोड़ रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण तथा अन्य कीमती वस्तुएं भी बरामद की गई थीं। एजेंसी का दावा है कि इन परिसंपत्तियों के स्रोत के संबंध में संतोषजनक और प्रमाणिक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जा सके।

कृषि फार्म को दिया रिसॉर्ट का रूप

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कृषि उपयोग के नाम पर विकसित परिसर में कई ऐसी सुविधाएं मौजूद थीं, जो इसे एक आलीशान निजी रिसॉर्ट का स्वरूप देती थीं। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कार्रवाई करते हुए फार्महाउस, आवासीय भवन, नकदी, आभूषण और अन्य संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। फिलहाल एजेंसी द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तेलंगाना राज्य के स्थापना दिवस की दीं शुभकामनाएं

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तेलंगाना के स्थापना दिवस की तेलंगानावासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ईश्वर से कामना की कि समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कला और कर्मठता के लिए प्रसिद्ध तेलंगाना निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

40 हजार वर्गफीट के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, नगर निगम की बड़ी कार्रवाई; पांच करोड़ की भूमि कब्जा मुक्त

उज्जैन (ए.)। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को देखते हुए उज्जैन नगर निगम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान जूना सोमवारिया क्षेत्र में पानी की टंकी के पास स्थित सिंहस्थ क्षेत्र की करीब 40 हजार वर्गफीट

यानी एक हेक्टेयर से ज्यादा जमीन को अतिक्रमण मुक्त करा लिया है। बाजार मूल्य के हिसाब से इस जमीन की अनुमानित कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है।

कोर्ट से स्टे खारिज होते ही चला अभियान

नगर निगम के मुताबिक इस सरकारी जमीन पर लंबे समय से 17 से 20 अवैध निर्माण थे। कबाड़े वालों, लकड़ी की टाल संचालकों और कुछ स्थानीय लोगों ने यहां मकान, दुकान और गोदाम बना लिए थे। सिंहस्थ की दृष्टि से इस जगह का महत्व देखते हुए निगम ने कब्जे हटाने की प्रक्रिया शुरू की थी। लेकिन कब्जाधारी हाईकोर्ट पहुंच गए और स्टे ले आए।

कोर्ट ने स्टे को खारिज किया

निगम के वकीलों ने कोर्ट में मजबूत पैरवी की। हाल ही में उच्च न्यायालय ने स्टे खारिज कर दिया। आदेश मिलते ही निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश और अपर आयुक्त संतोष टैगोर के मार्गदर्शन में सोमवार को कार्रवाई तय की गई।

तहसीलदार-एसई की मौजूदगी में हटे कब्जे

सोमवार दोपहर तहसीलदार शेफाली जैन की अगुवाई में निगम की टीम मौके पर पहुंची। टीम में एसई संतोष गुप्ता, जोन-1 के भवन अधिकारी राजकुमार राठौर और बिल्डिंग इंस्पेक्टर शिवम गुप्ता शामिल थे। जेसीबी की मदद से सभी अवैध गोदाम, दुकान और मकानों को ध्वस्त कर दिया गया। भवन अधिकारी राजकुमार राठौर ने बताया कि कोर्ट से स्टे खारिज होने के बाद सभी कब्जाधारियों को नियमानुसार नोटिस दिए गए थे। नोटिस अवधि पूरी होने पर आज ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

भ्रष्टाचार पर बड़ी कार्रवाईः टीकमगढ़ में लोकायुक्त का शिकंजा, 10 हजार की रिश्वत लेते पटवारी रंगे हाथ गिरफ्तार

टीकमगढ़ (ए.)। टीकमगढ़ में भ्रष्टाचार के खिलाफ सागर लोकायुक्त की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए गोपालपुर-कारी हल्के में पदस्थ पटवारी अजय सूत्रकार को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, पुटेरी गांव निवासी पोंटू आदिवासी का जमीन से जुड़े रास्ते के प्रकरण का मामला लंबित था। आरोप है कि इस मामले में कार्रवाई आगे बढ़ाने के बदले पटवारी ने 15 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। फरियादी के अनुसार पटवारी लगातार रिश्वत देने का दबाव बना रहा था, जिससे वह परेशान हो गया।

इसके बाद पोंटू आदिवासी ने सागर लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के

सत्यापन के दौरान आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए। जांच में यह भी सामने आया कि पटवारी पहले ही 5 हजार रुपये ले चुका था और शेष 10 हजार रुपये मंगलवार को लेने वाला था।

लोकायुक्त टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की। तय योजना के अनुसार फरियादी 10 हजार रुपये लेकर ग्राम पंचायत गोपालपुर के पंचायत भवन पहुंचा।

जैसे ही पटवारी अजय सूत्रकार ने रिश्वत की राशि अपने हाथ में ली, पहले से तैनात लोकायुक्त टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान रासायनिक परीक्षण भी किया गया, जिसमें रिश्वत लेने की पुष्टि हुई। इसके बाद आरोपी पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई।

घटना के बाद पंचायत भवन परिसर में लोगों की भीड़ जमा हो गई और पूरे क्षेत्र में मामले की चर्चा होती रही।

लोकायुक्त अधिकारियों ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई शासकीय कर्मचारी किसी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है तो उसकी शिकायत तत्काल लोकायुक्त से करें। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि शिकायतकर्ताओं की पहचान गोपनीय रखी जाएगी तथा भ्रष्टाचार के मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भोजशाला में जुटे संत : मां वाग्देवी की विशेष पूजा और हनुमान चालीसा का पाठ; कहा- ये 750 वर्षों के संघर्ष की जीत

धार(ए.)। केंद्रीय पुरातत्व विभाग के अधीन स्थित भोजशाला में इन दिनों बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां वाग्देवी के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मंगलवार को नियमित सत्याग्रह के बाद दोपहर में अखिल भारतीय संत समिति के संयुक्त महासचिव राधे-राधे बाबा तथा महामंडलेश्वर नरसिंहदास महाराज के नेतृत्व में मालवा अंचल के संतों का एक बड़ा दल भोजशाला पहुंचा।

इस दौरान श्रद्धालुओं और संतों ने मां वाग्देवी की विशेष पूजा-अर्चना की तथा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। शंखध्वनि और जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा भोजशाला परिसर भक्तिमय माहौल में डूब गया। सत्याग्रह के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष निलेश भारती, भाजपा नेता अशोक जैन, अशोक शास्त्री, भोज उत्सव समिति के पदाधिकारी तथा हिंदू समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

महाकाल मंदिर में अब नहीं लगेंगी लंबी कतारें : 20 जुलाई तक चालू होगी नई टनल, मुख्य मार्ग पर 40% कम होगी भीड़

उज्जैन (ए.)। उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए लगने वाली लंबी कतारें से अब राहत मिलेगी। प्रशासन ने श्रावण माह से पहले बड़ा गणेश टनल शुरू करने का फैसला लिया है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने खुद टनल का जायजा लेकर अधिकारियों को दो टूक में कहा कि 30 जुलाई से श्रावण शुरू होना है, 20 जुलाई तक हर हाल में टनल चालू करिए। लाखों श्रद्धालु आएंगे, एक भी भक्त को तकलीफ नहीं होनी चाहिए।

बड़ा गणेश मंदिर के पास से बन रही टनल

बड़ा गणेश मंदिर के पास से सीधे महाकाल मंदिर के वेटिंग हॉल तक बन रही ये सुरंग श्रद्धालुओं के लिए महाकाल मंदिर तक के लिए शॉर्टकट साबित होगी।

'रिश्वत लेकर हुए दूसरे नामांतरण, मेरा मामला अटका': जनसुनवाई में फूटा पीड़ित का दर्द, दंडवत देते पहुंचा फरियादी

श्योपुर (ए.)। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में प्रशासनिक व्यवस्था से परेशान एक व्यक्ति ने अपनी पीड़ा जताने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। नामांतरण नहीं होने से व्यथित जगदीश प्रसाद अग्रवाल मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में दंडवत करते हुए पहुंचे। हाथों में आवेदन और जरूरी दस्तावेज लेकर पहुंचे अग्रवाल ने बताया कि वे पिछले एक वर्ष से विभिन्न सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उनके नामांतरण प्रकरण का अब तक निराकरण नहीं हो सका है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्व विभाग के अधिकारियों और संबंधित पटवारी द्वारा उन्हें लंबे समय से परेशान किया जा रहा है। अग्रवाल के अनुसार उनकी पत्नी रानी अग्रवाल के नाम वर्ष 2009 में कस्बा श्योपुर स्थित एक भूमि का विधिवत पंजीकृत विक्रय पत्र निष्पादित हुआ था, लेकिन 15 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद भूमि का नामांतरण नहीं किया गया।

ग्वालियर पुलिस की किरकिरी: थाने के अंदर सिपाही ने हवलदार को जमकर पीटा, नाराज एसएसपी ने किया तत्काल निलंबित

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर जिले के इंदरगंज थाने में पुलिस विभाग के अनुशासन को चुनौती देने वाली एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक सिपाही ने अपने ही वरिष्ठ हवलदार के साथ थाने के भीतर मारपीट कर दी। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने आरोपी सिपाही को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दे दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, इंदरगंज थाने में पदस्थ हवलदार अंजनी सिंह ने सिपाही महेंद्र सिंह चंदेल को ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित रहने और निर्धारित जिम्मेदारियों का पालन नहीं करने पर फटकार लगाई थी। बताया जा रहा है कि हवलदार की इस कार्रवाई से सिपाही नाराज हो गया।

आरोप है कि इसी नाराजगी के चलते महेंद्र सिंह चंदेल बाद में थाने पहुंचा और हवलदार अंजनी सिंह से विवाद करने लगा। देखते ही देखते दोनों के बीच कहासुनी बढ़ गई और मामला मारपीट तक पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, थाने के अंदर अचानक हुए इस घटनाक्रम से वहां मौजूद पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। स्थिति बिगड़ती देख अन्य पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप किया और दोनों को अलग कर मामला शांत कराया। समय रहते बीच-बचाव नहीं किया जाता तो विवाद और गंभीर रूप ले सकता था।

घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचते ही मामले को गंभीरता से लिया गया। एसएसपी ने प्रारंभिक जांच के बाद सिपाही महेंद्र सिंह चंदेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

व्यापार समाचार

मदर डेयरी ने लॉन्च किया भारत का पहला मिट्टी में घुलनशील दूध पाउच, पर्यावरण को मिलेगी राहत

नई दिल्ली (ए.)। मदर डेयरी ने पर्यावरण और स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए एक नए तरह का दूध पाउच पेश किया है। यह पाउच मिट्टी में प्राकृतिक रूप से सड़ जाएगा। कंपनी ने मंगलवार, 2 जून को इसकी घोषणा की।

यह भारत का पहला ऐसा दूध पाउच है जो मिट्टी में प्लास्टिक का कोई निशान नहीं छोड़ेगा। कंपनी 5 जून, विश्व पर्यावरण दिवस से दिल्ली-एनसीआर में इसका उपयोग करेगी। यह शुरुआत में गाय के दूध के लिए होगा। मदर डेयरी नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

कंपनी प्रतिदिन लगभग 55 लाख लीटर दूध की आपूर्ति करती है। नए पाउच में एक अनूठी पैकेजिंग तकनीक का उपयोग किया गया है। यह सामग्री बायोउपलब्ध मोम में बदल जाती है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीव इसे प्राकृतिक तत्वों में तोड़ देते हैं। एनडीडीबी के अध्यक्ष मीनेश शाह ने बताया कि यह पैकेजिंग कुछ वर्षों में मिट्टी में सड़ जाएगी। इससे उपभोक्ता दूध की कीमतों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम

मीनेश शाह ने कहा कि मदर डेयरी ग्रह की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल क्षेत्र की नेतृत्व क्षमता को दर्शाती है। यह भविष्य के लिए तैयार और टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति समर्पण है। मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक जयतीर्थ चारी ने बताया कि इस पाउच को विकसित करने में चार साल से अधिक का शोध लगा। इसका उद्देश्य पर्यावरण में प्लास्टिक का कोई निशान न छोड़ना है।

शेयर बाजार में 'AI' का महायुद्धः एंथ्रोपिक और ओपनएआई के मेगा आईपीओ से कैसे बदलेगी दुनिया? 10 सवालों में समझें

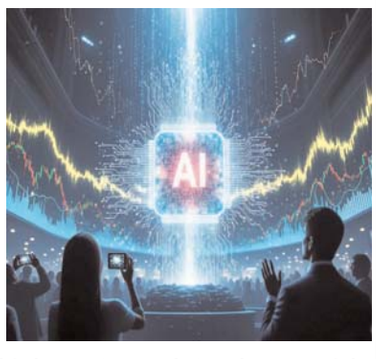

नई दिल्ली (ए.)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया अब सिर्फ तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कैपिटल मार्केट यानी शेयर बाजार का सबसे बड़ा अखाड़ा बन चुकी है। चैटजीपीटी बनाने वाली ओपनएआई और क्लॉउड चैटबॉट बनाने वाली एंथ्रोपिक अब इतिहास के सबसे बड़े आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक पेशकश) की रेस में आमने-सामने हैं। आइए 10 आसान सवालों के जरिए समझते हैं कि एआई की यह मेगा रेस निवेशकों, टेक जगत और हमारी दुनिया को कैसे बदलने वाली है।

सवालः आखिर एआई की दुनिया में शेयर बाजार को लेकर अचानक क्या भूचाल आ गया है?

जवाबः एआई की दुनिया की दिग्गज कंपनी एंथ्रोपिक ने सोमवार को गोपनीय रूप से अपने आईपीओ के लिए आवेदन कर दिया है। इसके साथ ही, ओपनएआई और एलन मस्क की रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स भी इसी साल अपना आईपीओ लाने की तैयारी में हैं। इन कंपनियों के पब्लिक होने से वॉल स्ट्रीट पर निवेश की एक बहुत बड़ी सुनामी आने की उम्मीद है।

बाजार नियामक सेबी में दो अहम पदों पर नियुक्ति, सरकार ने आवेदन आमंत्रित किए

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) में दो पूर्णकालिक सदस्यों के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग ने इन महत्वपूर्ण पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। यह कदम सेबी के सुचारु कामकाज और नियामक क्षमता को बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

वर्तमान में सेबी में चार पूर्णकालिक सदस्य कार्यरत हैं। इनमें कमलेश चंद्र वार्ष्णेय, अमरजीत सिंह, संदीप प्रधान और केवीआर मूर्ति शामिल हैं। कमलेश चंद्र वार्ष्णेय और अमरजीत सिंह का तीन साल का कार्यकाल सितंबर में पूरा हो जाएगा। हालांकि, वे पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र हैं। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य के लिए अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष निर्धारित है। सेबी बोर्ड की संरचना में एक अध्यक्ष, चार पूर्णकालिक सदस्य और चार अंशकालिक सदस्य होते हैं। सरकार ने 26 मई को जारी एक अधिसूचना के माध्यम से इन पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।

क्या होगा कार्यकाल, पात्रता के मानदंड क्या?

पूर्णकालिक सदस्य का कार्यकाल अधिकतम पांच वर्ष का होगा। यह नियुक्ति इस शर्त के अधीन है कि नियुक्त व्यक्ति 65 वर्ष की आयु से अधिक पद पर नहीं रह पाएगा। हालांकि, लागू नियमों के तहत पुनर्नियुक्ति की अनुमति दी गई है। सरकार ने ऐसे व्यक्तियों से आवेदन मांगे हैं जिनकी सत्यनिष्ठा, ख्याति और प्रतिष्ठा उच्च हो। उम्मीदवारों के

पास अधिमानतः 20 वर्ष से अधिक का पेशेवर अनुभव होना चाहिए।

कितना अनुभव चाहिए?

इन पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु 45 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक में प्रतिभूति बाजारों से संबंधित समस्याओं से निपटने की क्षमता होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, उन्हें कानून, वित्त, अर्थशास्त्र, लेखा, प्रशासन या केंद्र सरकार द्वारा सेबी के लिए उपयोगी माने जाने वाले किसी अन्य विषय में विशेष ज्ञान या अनुभव होना चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि पूर्णकालिक सदस्य का कोई ऐसा वित्तीय या अन्य हित न हो जो उसके कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले।

चयन प्रक्रिया क्या है और अंतिम तिथि कब?

योग्य उम्मीदवार 30 जून तक इन महत्वपूर्ण पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। इन नियुक्तियों का निर्णय केंद्रीय सरकार द्वारा वित्तीय क्षेत्र नियामक नियुक्ति खोज समिति (एफएसआरएएससी) की सिफारिशों के आधार पर किया जाएगा। एफएसआरएएससी को यह अधिकार है कि वह योग्यता के आधार पर किसी ऐसे व्यक्ति की भी पहचान कर सकती है और उसकी सिफारिश कर सकती है जिसने पद के लिए आवेदन नहीं किया हो। यह प्रक्रिया पारदर्शिता और योग्यता सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जाएगी।

रुपया 16 पैसे चढ़कर 95.03 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया सोमवार को 34 पैसे टूटकर 95.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई (ए.)। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में 16 पैसे मजबूत होकर 95.03 पर पहुंच गया। भारत की मजबूत घरेलू आर्थिक स्थिति और जारी भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच संतुलन बनने से रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि पश्चिम एशिया की अनिश्चित स्थिति हालांकि अब भी वित्तीय बाजारों और ऊर्जा कीमतों पर दबाव बनाए हुए है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.16 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में चढ़कर 95.03 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे अधिक है।

वैश्विक तनाव से भारतीय शेयर बाजार फिसले

- सेंसेक्स 300 अंक टूटा, निफ्टी 23,300 के नीचे

मुंबई(ए.)। भारतीय शेयर बाजार ने मंगलवार के कारोबार की शुरुआत भारी कमजोरी के साथ की। वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, विशेषकर अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में आई रुकावट के संकेतों ने घरेलू बाजार पर गहरा असर डाला।

शुरुआती कारोबार में प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों 0.5 फीसदी से अधिक लुढ़क गए, जिससे निवेशकों में चिंता का माहौल देखा गया। सुबह शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 437.97 अंक की गिरावट के साथ 73,829.37 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एनएसई निफ्टी50 134.30 अंक फिसलकर 23,259.70 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी50 में बजाज फाइनेंस, अपोलो हॉस्पिटल एंटरप्राइजेज और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर सबसे ज्यादा नुकसान में रहे, जिससे बाजार में बिकवाली का दबाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। बड़े शेयरों के साथ-साथ व्यापक बाजार में भी कमजोरी हावी रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक लगभग 0.95 फीसदी तक गिर गए, जिससे निवेशकों की जोखिम लेने की धारणा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। सेक्टोरल मोर्चे पर मिला-जुला रुख देखने को मिला; जहां निफ्टी आईटी इंडेक्स लगभग 2 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले सेक्टर्स में शामिल रहा, वहीं मेटल शेयरों में भी कुछ खरीदारी दिखी। इसके विपरीत, फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर में बिकवाली का दबाव बना रहा और ये सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में शामिल रहे। बाजार की इस गिरावट का मुख्य कारण ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को माना जा रहा है।

सोने ने पकड़ी रफ्तार, चांदी की चमक फीकी पड़ी

- सोना 1.59 लाख के पार, चांदी का भाव लगभग 2,65,750 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू वायदा बाजार में मंगलवार को सोने ने अपनी चमक बरकरार रखी, लेकिन चांदी की चाल सुस्त पड़ गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अगस्त कॉन्ट्रैक्ट जहां तेजी के साथ कारोबार कर रहा था, वहीं चांदी का जुलाई कॉन्ट्रैक्ट गिरावट दर्ज करते हुए लुढ़क गया। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में दोनों ही कीमती धातुओं में मजबूती का रुख देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 208 रुपये की तेजी के साथ 1,59,449 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,59,241 रुपये था। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 142 रुपये की बढ़त के साथ 1,59,383 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसने 1,59,499 रुपये का उच्च और 1,59,255 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच चुके हैं। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भले ही तेजी के साथ हुई थी, लेकिन बाद में इसकी चमक फीकी पड़ गई। एमसीएक्स पर चांदी का जुलाई कॉन्ट्रैक्ट 39 रुपये की तेजी के साथ 2,66,202 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,66,163 रुपये था। हालांकि, मौजूदा समय में यह कॉन्ट्रैक्ट 413 रुपये की गिरावट के साथ 2,65,750 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इसने दिन में 2,66,350 रुपये का उच्च और 2,65,685 रुपये का निचला स्तर देखा। इस साल चांदी के वायदा भाव 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर को छू चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी दोनों में तेजी का रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,515.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने तक 12.40 डॉलर की बढ़त के साथ 4,518.70 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। सोने ने इस साल 5,586.20 डॉलर का सर्वोच्च स्तर छुआ है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

आरक्षण का मुद्दा गरमाया

चुनाव प्रचार में इन दिनों आरक्षण का मुद्दा गरमाया हुआ है। प्रारंभिक तौर पर आरक्षण को सबसे निचले वर्गों की जातियों को आर्थिक तथा राजनीतिक संबल प्रदान करने के लिए वैधानिक तौर पर आरक्षण प्रदान किया गया था। बाद में आरक्षण का विस्तार होता गया और इसमें नये-नये जाति समूह शामिल होते चले गए।आरक्षण प्राप्त करने के लिए जाट और मराठा जैसे शक्तिशाली समूहों को आंदोलन की राह पकड़नी पड़ी। दरअसल, जो आरक्षण निचली पायदान पर खड़े जाति समूहों के उत्थान के लिए था, वह सभी जाति समूहों के लिए राजनीतिक शक्ति प्राप्त करने का हथियार बन गया। कहने की जरूरत नहीं है कि आज आरक्षण भारतीय समाज के एक बहुत बड़े वर्ग में असंतोष और चिंता का कारक बना हुआ है। हिन्दू समाज के अनारक्षित जाति समूह मानते हैं कि उनके साथ अन्याय किया जा रहा है। ऐसी सूरत में एक ऐसे आर्थिक ढांचे पर बल दिए जाने की जरूरत थी जिसमें बिना आरक्षण की सीढ़ी के सभी निचले वर्ग के लोगों को उत्थान के अवसर प्राप्त हों और जातीय आग्रह सामाजिक विग्रह के कारण न बनें लेकिन अब आरक्षण की नीति एक चिंताजनक मोड़ पर ले आई है। एक ओर जहां कांग्रेस के नेता विशेषकर राहुल गांधी आरोप लगा रहे हैं कि मोदी तीसरी बार सत्ता में आए तो संविधान बदल देंगे और आरक्षण खत्म कर देंगे। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी हर सभा में कह रहे हैं कि कांग्रेस ने आरक्षण को मुस्लिम तुष्टिकरण का नया औजार बना लिया है। वह बार-बार कर्नाटक का उदाहरण दे रहे हैं जहां कांग्रेस ने सभी मुस्लिम जातियों को पिछड़े वर्ग में शामिल करके पिछड़े वर्ग के कोटे से ही 4 प्रतिशत का आरक्षण दे दिया जिसे बाद में भाजपा सरकार ने निरस्त कर दिया। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा जहां भाजपा सरकार के फैसले पर रोक लगा दी गई है। मोदी अपनी हर सभा में खुलकर कह रहे हैं कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो दलित और पिछड़ों का आरक्षण समाप्त कर मुसलमानों को दे देगी। संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। लेकिन कांग्रेस ने चोर दरवाजे से कर्नाटक में आरक्षण देकर जो कदम उठाया है, उसके दुष्परिणाम समझ नहीं पा रही। बेशक, भाजपा को विरोध का बड़ा चुनावी मुद्दा मिल गया है।

इंतजामों को अधिक सक्रिय करने की जरूरत

अनिरुद्ध गौड़

हमारे देश के वनों में गर्मियों के दिनों में आग लगना एक लगातार सिलसिला है। अप्रैल का महीना शुरू हुआ कि आग से जंगल धधकने लगते हैं। जंगल की आग पर्यावरण की दृष्टि से तो खतरनाक है ही जनजीवन और बायोडायवर्सटी की दृष्टि से भी हानिकारक है। ऐसे समय में जब जंगलों में आग लगती है तो देखा गया है कि उसकी तैयारी में सरकार विफल रही है।

देश के वनों में अप्रैल माह में आग की घटनाओं को देखें तो देश में हाल फिलहाल 361 जगह वनों में आग लगी हैं। इन घटनाओं की निगरानी को फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की साइट पर लांच बीटा संस्करण एसएनपीपी - वीआईआईआरएस का 10 अप्रैल, 2024 का भारत के वनों में लगी भीषण आग का मौजूद आंकड़ा बताता है कि सबसे अधिक आंध्र प्रदेश में 122, तेलंगाना में 55, छत्तीसगढ़ में 47, उत्तराखंड में 32, बिहार में 23, ओडिसा में 22, उत्तर प्रदेश में 17 सहित 21 राज्यों में 361 जगह आग लगी थी जो 13 अप्रैल को घट कर काबू होने के बाद 33 रह गई। 1अप्रैल को देश के वनों में 132 बड़ी आग लगी थी जो 10 अप्रैल को 361 जगह तक पहुंच गई है। अप्रैल माह में पिछले 7 दिनों का आंकड़ा देखें तो एक्टिव आग की घटनाओं में टॉप फाइव राज्यों में छत्तीसगढ़ में 166, आंध्र प्रदेश में 248, मध्य प्रदेश में 207, ओडिसा में 146 और असम में 139 जगहों पर बड़ी आग लगी।

वहीं 1 नवम्बर, 2023 से 2024 में बड़ी आग की घटनाओं में टॉप फाइव राज्यों में आंध्र प्रदेश में 860, मध्य प्रदेश में 719, तेलंगाना 688, महाराष्ट्र में 547 और छत्तीसगढ़ में 527 बार आग लगी, जबकि वर्ष 2022-2023 में तो पूरे देश के वनों में 12562 आग की घटनाएं हुई। जंगल की आग से वनों का क्षरण तो

होता ही है बहुमूल्य वन संपदा और कार्बन भी नष्ट हो जाते हैं। वनों का पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रभावित होता है। यह देखा गया है फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार जंगल की आग को मॉनिटर करने के लिए भारत में 2004 से शुरू सेटेलाइट की रिमोट सेंसिंग मोडिस अर्थात मॉडरेट रेजोल्यूशन इमेजिंग स्पेक्ट्रो रेडियोमीटर सेंसर और 2017 से भारतीय सेटेलाइट से सम्पूर्ण भारत में एसएनपीपी-वीआईआईआरएस अर्थात सुओमी-नेशनल पोलर आर्बिटिंग पार्टनरशिप-विजिबल इंफ्रारेड इमेजिंग रेडियोमीटर सूट के साथ जीआईएस टूल्स की मदद से वनों की आग को मॉनिटर किया जा रहा है। देश का कुल 32,87,469 वर्ग किलोमीटर भौगोलिक क्षेत्र है।

नवीनतम आईएसएफआर 2021 के अनुसार देश का कुल 7,13,789 वर्ग किलोमीटर वन आवरण है। जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 21.71 प्रतिशत है। वन सर्वे ऑफ इंडिया का अनुमान है कि देश में 36 प्रतिशत से अधिक वन क्षेत्र में बार-बार आग लगती रहती है। देश के करीब 4 प्रतिशत वन क्षेत्र में अधिक तो 6 प्रतिशत भाग में सबसे अधिक खतरा पाया गया है।

ग्लोबल फॉरेस्ट वाच के अनुसार विश्व स्तर पर आग से वर्ष 2001 से 2022 के बीच 126 मिलियन हेक्टेयर वनों का नुकसान हुआ। इनमें वर्ष 2016 ऐसा वर्ष रहा जिसमें आग से सबसे अधिक 9.63 मिलियन हेक्टेयर वन आवरण का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में आग की घटनाओं को देखें तो 2001 से 2022 के बीच भारत में आग की घटनाओं से 35.9 हेक्टेयर वृक्ष आवरण को नुकसान और 2.15 मेगा हेक्टेयर वृक्ष आवरण का नुकसान अन्य कारणों से हुआ। इसमें भी 2008 में आग से सबसे अधिक कुल 3.5 प्रतिशत वृक्ष आवरण का नुकसान हुआ।

अगर 12 अप्रैल 2021 से 8 अप्रैल 2024 के बीच आज की घटनाओं की बात की जाए तो 5,29,248 VIIRS के माध्यम से बड़ी आज की घटनाएं रिपोर्ट की गई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार विश्व में हर वर्ष करीब 7 करोड़ हेक्टेयर वन क्षेत्र आग लगने की घटनाओं से प्रभावित होता है। इससे बड़े स्तर पर पर्यावरणीय और आर्थिक क्षति होती है। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के अनुसार विश्व में सन 2010 में 3.92 गीगा हेक्टेयर वृक्ष आवरण था जो पृथ्वी के 30 प्रतिशत से अधिक भू-भाग में फैला हुआ था, लेकिन 2023 में विभिन्न कारणों से 28.3 मिलियन हेक्टेयर वृक्ष आवरण कम हो गया। सन 2001 से 2023 तक वैश्विक स्तर पर 488 मिलियन हेक्टेयर वृक्ष आवरण की हानि हुई जो 2000 के बाद से वृक्ष आवरण में 12 प्रतिशत की कमी के बराबर है, जबकि सन 2002 से 2023 के बीच कुल 76.3 मिलियन हेक्टेयर आद्र प्राथमिक वन कम हो गया।

भारत की बात करें तो सन 2010 में 31.3 मिलियन हेक्टर प्राकृतिक वन थे जो कि इसकी कुल भूमि का 11 फीसद था, लेकिन वर्ष 2023 में 134 किलो हेक्टेयर आद्र प्राकृतिक वन की हानि हो गई। वर्ष 2002 से 2023 के बीच भारत में 414 हेक्टेयर आद्र प्राथमिक वन खो दिए। इस तरह भारत में कुल 4.1 प्रतिशत वन क्षेत्रफल कम हो गया। जिसमें 2016 और 2017 में अधिक हानि हुई। वनों में आग लगने से बड़े पैमाने पर मानवीय, पर्यावरण और आर्थिक हानि होती है। इसलिए आग फैलने से रोकना बहुत ही जरूरी है। वनों की आग को नियंत्रित करने में वही पुराने साधन और संसाधनों से आग काबू पाने के लिए राज्यों के महकमे लगे हुए हैं।

तकनीक से हम बेहतर तरीके से मॉनिटर कर पा रहे हैं, लेकिन विकसित देशों की तरह वनों की आग को काबू पाने के इंतजामों को अधिक सक्रिय करने की जरूरत है।

स्वस्थ जीवन एवं स्वस्थ पर्यावरण का आधार है साइकिल

(लेखक- ललित गर्ग)

हर वर्ष 3 जून को मनाया जाने वाला विश्व साइकिल दिवस केवल एक साधारण वाहन के सम्मान का अवसर नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समानता और सतत विकास के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, बढ़ती बीमारियों और यातायात संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब साइकिल एक ऐसे सरल समाधान के रूप में उभरती है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र-तीनों के लिए समान रूप से लाभकारी है। विश्व साइकिल दिवस 2026 की थीम 'हरियाली भरे भविष्य के लिए साइकिल चलाना' अत्यंत सार्थक और समयानुकूल है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि यदि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी छोड़नी है, तो हमें अपने परिवहन के तौर-तरीकों में बदलाव लाना होगा और साइकिल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा।

साइकिल मानव सभ्यता के उन आविष्कारों में से एक है जिसने दो शताब्दियों से अधिक समय तक अपनी उपयोगिता बनाए रखी है। तकनीकी क्रांति के इस युग में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है, बल्कि नई चुनौतियों के बीच इसका महत्व और बढ़ गया है। यह एक ऐसा वाहन है जो बिना पेट्रोल, डीजल या बिजली के चलता है, न कोई धुआँ छोड़ता है और न ही पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है।

बुढ़ा बच्चा और जवान सभी के लिए साइकिल है मजेदार

विश्व साइकिल दिवस 3 जून26 पर विशेष

(लेखक - संजय गोस्वामी)

साइकिल एक ऐसा दुपहिया है जिस स्त्री हो या पुरुष बच्चा, जवान या बुढा व्यक्ति सभी चला सकते है। हर साल पुरे विश्व में 3 जून को साइकिल दिवस मनाया जाता है। यूनाइटेड नेशंस इसकी शुरुआत 2018 से की थी। आजकल की साइकिल में आपको लाइट, गियर और मोटे व बड़े टायरो की सुविधा भी मिल जाती है जो इसे पहले की साइकिल से अधिक बेहतर बनाती है। साइकिल मेरा सबसे पसंदीदा वाहन है। यह मुझे दोस्तों से मिलने और पार्क में खेलने के लिए मदद करती है। मेरी साइकिल लाल रंग की है और इसमें तीन गियर हैं, जिससे चलाना आसान होता है।साइकिल चलाना न केवल मजेदार होता है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इससे शरीर मजबूत होता है और हम तंदुरुस्त रहते हैं। मैं रोज सुबह साइकिल चलाकर अपने दिन की शुरुआत करता हूँ। मेरी साइकिल की देखभाल मैं खुद करता हूँ। मैं समय-समय पर उसकी हवा चेक करता हूँ और उसे साफ रखता हूँ। मेरी साइकिल मेरे लिए सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि मेरे बचपन की यादों का हिस्सा भी है। पैडल साइकिल के पायनियर मैन्युफैक्ररर के तौर पर मिचौक्स की भूमिका ओलिवियर भाइयों, रेने और ऐमे के साथ जुड़ी हुई है। 1865 में इन दो अमीर नौजवानों ने पेरिस से मार्सिले तक 800 द्यद्व (500 मील) से ज़्यादा वेलोसिपेड चलाईं, और नए खेल के लिए उनके बाद के जोश ने इसे युवा, फिट और अमीर लोगों के लिए दुनिया भर में क्रेज़ बनने में मदद की। भाइयों ने मिचौक्स में 69 परसेंट इक्विटी के लिए 50,000 फ्रैंक दिए, जो बाद में एक बहुत बड़ी फैक्ट्री में चला गया। पहले

मॉडल में सर्पिन के आकार का लचीला लोहे का फ्रेम था। इसके तुरंत बाद फर्म ने रॉट आयरन से बने डायगोनल फ्रेम पर स्विच किया, जो जल्द ही इंडस्ट्री का स्टैंडर्ड बन गया। पेरिस एक्सपोज़िशन के साल 1867 में सीरियस प्रोडक्शन शुरू हुआ। कई विज़िटर्स ने सड़कों पर वेलोसिपेड देखे; पॉपुलैरिटी फैली; और बनाने वालों की संख्या कई गुना बढ़ गई। 1868 की पतझड़ तक, नया वेलोसिपेड पूरे फ्रांस में एक जाना-पहचाना नज़ारा बन गया था, और काफ़ी ज़्यादा कीमतों के बावजूद बिक्री नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई। 1869 में ओलिवियर्स ने मिचौक्स एट सी का पूरा कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया और नाम बदलकर कॉम्पैनी पेरिसिएन डेस वेलोसिपेड्स कर दिया। प्रोडक्शन हर महीने लगभग 200 वेलोसिपेड तक पहुंच गया। उस समय तक 100 से ज़्यादा फ्रेंच कंपनियां वेलोसिपेड बना रही थीं। 1869 में बॉल बेयरिंग और टेंशन-स्पोक वाले पहियों का आविष्कार हुआ, और फ्रीव्हील (जो कोस्टिंग की इजाज़त देता है) का पेटेंट कराया गया। लकड़ी के स्पोक वाले पहियों और लोहे के रिम की हार्ड राइड की वजह से शुरुआती वेलोसिपेड को बोनशेकर का नाम मिला, लेकिन ठोस रबर के टायर और तार के स्पोक वाले पहियों ने राइड को आसान बनाने में मदद की। 1870 में, जैसे ही बोनशेकर ऑर्डिनरी नाम की एक प्रैक्टिकल साइकिल बन रही थी, फ्रैंको-जर्मन युद्ध ने फ्रेंच इंडस्ट्री को पीछे धकेल दिया। साइकिल मैन्युफैक्चरिंग बच गई, लेकिन इसके बाद के ज़्यादातर डेवलपमेंट ब्रिटेन में हुए। पिछले पहिये को बहुत छोटे फार्थिंग (क्वार्टर-पेनी) से जोड़ा जाता था। ऑर्डिनरी का वज़न आम तौर पर लगभग 40 पाउंड (18 kg) होता था, लेकिन ट्रैक-रेसिंग मॉडल का वज़न 16 पाउंड (7 kg) जितना कम हो सकता था। शुरुआती सुरक्षा साइकिलों में ठोस रबर के टायर होते थे। 1888 में बेलफ़ास्ट में रहने वाले स्कॉटिश जानवरों के डॉक्टर जॉन बॉयड डनलप ने न्यूमेटिक टायर इंट्रोड्यूस किए। इनसे रोलिंग रेज़िस्टेंस बहुत कम होने के साथ ज़्यादा आरामदायक राइड मिलती थी। 1893 तक लगभग सभी नई साइकिलों में न्यूमेटिक टायर थे, जिससे उनकी पॉपुलैरिटी बहुत बढ़ गई। न्यूमेटिक टायर और टेंशन-स्पोक वाले पहिये ने क्रैंक और पैडल जितना ही काम किया, जिससे साइकिल घोड़े के एक बड़े विकल्प के तौर पर स्थापित हुई। 1890 के दशक में डायमंड-पैटर्न फ्रेम, न्यूमेटिक टायर, चेन ड्राइव और ब्रेक वाली प्रैक्टिकल साइकिलों का बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन हुआ। 1890 के दशक के आखिर तक ज़्यादातर साइकिलों का वज़न सिर्फ़ 25 से 35 पाउंड (11 से 16 द्यद्व) था। स्टैंडर्ड डिज़ाइन ने ब्रिटेन, यूनाइटेड स्टेट्स और यूरोप में साइकिल की धूम मचा दी और सैकड़ों बनाने वाले बन गए। 1895 में ब्रिटेन में 800,000 से ज़्यादा साइकिलें बनीं। 1899 में यूनाइटेड स्टेट्स में 1.1 मिलियन से ज़्यादा साइकिलें बनीं।

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिलायेगा। पारिवारिक रिश्तों में गहराई और अपनापन महसूस हो सकता है। आज आपकी पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है। आज जमीन जायदाद से जुड़े काम निपट जाएंगे। साझेदार की गतिविधियों पर ध्यान देंगे। आज रोजगार में नई उपलब्धि मिलने के योग हैं। बिजनेस में आपको फायदा हो सकता है।

वृष राशि: आज आपका दिन शांत रहेगा। आज आपकी मुलाकात किसी अजनबी से होगी, जिससे आप जीवन की नई सीख लेंगे। आपकी कड़ी मेहनत से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आज आप ऑफिस के किसी काम में उलझे रहेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स कॉलेज में कुछ नया सीखेंगे और पढ़ाई की तरफ झुकाव बढ़ेगा। रोज की अपेक्षा आज व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा।

मिथुन राशि: आज आपका दिन खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। आज परिवार से खुशखबरी मिलेगी। ईश्वर की कृपा से आज आपके सभी काम सफल होंगे। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। आपको प्रोजेक्ट में अपने कलीग की मदद मिलेगी। आज आपकी किसी रिश्तेदार से फोन पर बात हो सकती है, आपको कुछ नया सुनने को मिलेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन आपके लिए परिवार के लिए खुशियाँ लाने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए। जिस व्यक्ति की आपने कभी मदद की थी वह आज आपके काम आएगा। आज अध्यात्मिक कामों में आपकी रूचि बढ़ेगी। आज अपनी क्षमता पर विश्वास करने से आपके सभी काम बनेंगे।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपको कोई नई जानकारी मिलेगी यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी। आज आलस व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है। नई तकनीक के इस्तेमाल पर विचार-विमर्श होगा। आज आपको ऑफिस में अपने दस्तावेज संभालकर रखने की जरूरत है।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके सोचे हुए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुशी मिलेगी। मानसिक रूप से जिन लोगों के साथ कोई परेशानी है, उसे दूर करने का उपाय मिलेगा। आज किसी से बात करते समय अपनी भाषा में मधुरता बनाये रखें। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढ़ाई को लेकर उत्साहित होंगे और ज्यादा समय पढ़ाई में बीतेगा, यह देखकर आपके घरवालों को भी खुशी होगी। लवमेट आज कहीं घूमने जाएंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए दिन शुभ रहने वाला है। आज जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निपटाने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। धैर्य और विनम्रता बनाये रखें। पुरानी समस्याओं पर दोस्तों से बातचीत होगी। आज आपको किसी समस्या का समाधान भी मिल सकता है। आपकी सलाह से दूसरों को फायदा होगा।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छा रहने वाला है। आज आप धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते है। किसी विशेष काम में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। आज जरूरी काम को लेकर उस विषय के जानकार व्यक्ति से विचार करेगे और योजना बनाएंगे। आपकी योजनाएं सफल होने के योग हैं। परिवार से जुड़ी कोई परेशानी आज समाप्त होने के योग हैं। आज दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर आप सेंसिटिव हो सकते हैं। आज किसी कोर्ट कचहरी के मामले में पड़ने से आपको बचना चाहिए।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज कोई पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। दूसरों को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिल सकती है। किसी भी कार्य को करने में धैर्य और समझदारी रखें। परिवार के कामों में आपका पैसा लग सकता है। आज किसी उच्च अधिकारी से मुलाकात के योग बन रहे हैं।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिये फेवरेबल होने वाला है। आज आपको कुछ ऐसा मिलेगा जिसकी आपको बहुत दिनों से ख्वाहिश थी। आज किसी इम्पोर्टेन्ट विषय में अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढ़ने की कोशिश करें। आज आप अपने सभी काम मेहनत, धैर्य और समझदारी से निपटा लेंगे। आपके पास बहुत-सी जिम्मेदारियां हो सकती हैं, आपकी व्यस्तता बढ़ सकती है। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्तों में मधुरता बरकरार रहेगी।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। कोई बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। आज अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातें समझने का मन बनाकर चलें तो आपको अच्छी जानकारी मिल सकती है जो आपके बहुत ही काम आएगी। आज कुछ पुरानी बातें आपको याद आ सकती हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अछ्छी रहेगी।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाल है। आज ऑफिस में कामकाज ज्यादा रहेगा। जिसकी वजह से आपको खुद के लिए समय निकल पाना मुश्किल होगा। लेकिन काम समय से पूरा होने से आपको खुशी भी होगी। आज ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए किसी से बात हो सकती है। इसमें आपको सफलता मिलने के योग भी हैं।

पेपर लीक के जिम्मेदार, कैसे करेंगे समस्या का समाधान?

(लेखक- सनत जैन)

इन दिनों देश में पेपर लीक का मामला बड़ा चर्चित है। युवा वर्ग पेपर लीक होने से सबसे ज्यादा प्रभावित है। इनकी संख्या करोड़ों में है। इसका एहसास ना तो सत्ता पक्ष को हो रहा है, ना ही विपक्ष को हो रहा है, सत्ता पक्ष सत्ता में बने रहने के लिए चहेतो को उपकृत करने, सत्ता के जरिए कमाई और अपनी ही विचारधारा के लोगों को चयनित करने के लिए इस तरह की परीक्षाओं का आयोजन करता है। परीक्षाओं के नाम पर गड़बड़ी कराके सत्ता पक्ष अपना लक्ष्य पूर्ण करता है। जिस तरह से अब परीक्षा पेपर लीक होने और परीक्षाओं में गड़बड़ी होने के मामले एक-एक करके खुलकर सामने आ रहे हैं। उसके बाद से सत्ता पक्ष की मुसीबत बढ़ाना शुरू हो गई है। सत्ता पक्ष हमेशा दूसरों के ऊपर आरोप डालकर मामले को ठंडा करने में लगा रहता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण मध्य प्रदेश का व्यापम घोटाला है। जो कई दशकों के बाद भी जिन लोगों ने गड़बड़ी की थी। जिनकी लापरवाही और मार्गदर्शन में व्यापम फर्जी वाड़ा हुआ था। उनके ऊपर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। हां जिन छात्रों ने पैसे देकर पीछे के रास्ते से परीक्षा पास करके अपना कैरियर बनाना चाहा था। वह दोनों दीन से चले गए, पैसा भी गया और जेल अलग से जाना पड़ा। 10 साल से ज्यादा समय हो गया है व्यापम घोटाले के आरोपी छात्र-छात्रा आज भी कोर्ट कचहरी की लड़ाई लड़ रहे हैं। मां-बाप का घर मकान बिक गया है। जो जिम्मेदार थे, वह आज भी खुलेआम घूम रहे हैं। व्यापम घोटाले के आरोपी और उनके चेला-चपाटी नेशनल टेस्ट एजेंसी में मौज कर रहे हैं। जिन लोगों के पास व्यवस्था है, वही गड़बड़ी करा रहे हैं? उन्हीं के निर्देशन में जांच एजेंसियां काम करती हैं। ऐसी स्थिति में समस्या का समाधान कैसे होगा। यह आसानी से समझा जा सकता है। वर्तमान परीक्षा व्यवस्था में लगभग 30 करोड़ युवाओं का भविष्य जुड़ा हुआ है। अब तो सीबीएसई की परीक्षा परिणाम भी भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के भेंट चढ़ गया है। पहले परीक्षा फीस के नाम पर वसूली करो, फिर रिवैल्युएशन के नाम पर कमाई करो। यह कमाई उन्हीं लोगों को होती है, जिन्हें सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। ऐसी स्थिति में अब युवा वर्ग नाराजी के साथ सड़कों पर आने के लिए विवश है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल के परिणाम में जो गड़बड़ी हुई है। जांच एजेंसी उसमें कुछ नहीं कर पाई। मंत्री जी कुछ नहीं कर पाए, बड़े-बड़े अधिकारी हाथ-पै-हाथ धर के बैठे हुए हैं। यह लड़ाई खुद 12वीं के वह बच्चे जिसने परीक्षा दी थी। उसके परिणाम में गड़बड़ी हुई, वह खुद जांच कर रहा है। खुद लड़ाई के मैदान में अभिमन्यु की तरह खड़ा हो गया है। सरकार घबरा रही है, विपक्ष छात्रों के पीछे खड़ा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिस तरह से 12वीं की बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन मैं गड़बड़ी हुई है। छात्रों की शिकायत पर पुनर्मूल्यांकन के कार्य में जो गड़बड़ी हो रही है। जब उसका मामला उठाया। तब सरकार को लगा कि मामला गलत दिशा में जा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार भी चैतन्य अवस्था में आई है। सरकार कार्यवाही करे, तो किस पर करे। यह सरकार के लिए सबसे बड़ी परेशानी का विषय बन गया है। शिक्षा मंत्री पर कार्यवाही नहीं कर सकते हैं, वह वही निर्णय ले रहे थे, जो उनसे कहा जा रहा था। शिक्षा मंत्री के कहने पर सारे अधिकारी वही निर्णय ले रहे थे, जो शिक्षा मंत्री जी से उन्हें मिल रहे थे। अब बलि का बकरा ढूंढ रहे हैं, जो सबसे कमजोर होगा, उसके नाम पर ठीकरा फोड़ दिया जाएगा। पिछले 12 सालों में सरकार बड़े-बड़े गड़बड़ी के मामलों में चुप्पी साधकर, मामलों को लाल बस्तों में हमेशा के लिए बंद कर देती थी। इस बार यह मामला फंस गया है। 100 से अधिक परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। नीट परीक्षा में हर साल अरबों रुपया का वारा न्यारा होता है। परीक्षा फीस के नाम पर करोड़ों रुपए की कमाई बेरोजगार युवकों और छात्रों से की जाती है। सरकारी नौकरी और अन्य परीक्षाओं के माध्यम से नियुक्तियां होती हैं। उनमें भी लेनदेन का खेल बड़े सुनियोजित तरीके से संचालित हो रहा है। अब यह सारे मामले एक-एक करके खुलकर सामने आ रहे हैं। इसको दबाके रख पाना सरकार के लिए संभव नहीं रहा। पानी सिर के ऊपर पहुंच रहा है, ऐसी स्थिति में अब युवा वर्ग अपनी लड़ाई खुद लड़ने के लिए सड़कों पर आने के लिए विवश हो गया है। उसे ना तो सत्ता पक्ष पर विश्वास है, ना विपक्ष पर विश्वास है। ना ही जांच एजेंसियों और न्यायपालिका पर विश्वास रह गया है। देश में पहली बार ऐसी स्थिति निर्मित हो रही है। जिसमें करोड़ों युवा अब आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए मैदान में है। महाभारत का युद्ध हुआ था। इसको टालने के लिए भगवान कृष्ण ने कौरवों को सुझाव दिया था, वह पांच गांव पांडवों को दे दें। युद्ध को टाल दें। भगवान कृष्ण पांच गांव पांडवों को नहीं दिलवा पाए। महाभारत का युद्ध हुआ, जिसमें भारी विनाश हुआ। ना पांडवों के हाथ कुछ लगा, ना कौरवों को कुछ मिला। जब समय खराब होता है, तब उसी तरह की मति हो जाती है। इसलिए कहा जाता है, समय बलवान होता है। कर्म का फल समय आने पर सबको भोगना पड़ता है। नीट, प्रवेश चयन परीक्षा और बोर्ड परीक्षा में जो गड़बड़ी हुई हैं। उसके लिए शिक्षा मंत्री का इस्तीफा ले लिया जाता तो शायद यह मामला ठंडा पड़ सकता था। जांच के नाम पर छोटी-छोटी मछलियों को निशाने पर लिया जा रहा है। बड़ी मछली और मगरमच्छ मस्त है, उन्हें पता है, उनका कुछ नहीं होना है। इसलिए अब छात्रों-बेरोजगार युवाओं में जो जलजला देखने को मिल रहा है। उसको देखते हुए यह कहा जा सकता है। समस्या का समाधान आसान नहीं है। जब भी इसका समाधान होगा, उसकी भारी कीमत देश को चुकानी होगी।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार 03 जून 2026, नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

दिल्ली के मुकुंदपुर में सिलेंडर फटने से मकान गिरा, 6 लोग मलबे से निकाले गए; सर्च-रेस्क्यू जारी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली के मुकुंदपुर इलाके में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। भलस्वा डेरी के पास स्थित मुकुंदपुर-II के ईशु विहार में एक मकान में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट होने के बाद पूरा घर ढह गया। हादसे के समय मकान में मौजूद कई लोगों के मलबे में दब जाने की आशंका जताई गई, जिसके बाद पुलिस, दमकल विभाग और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए।

दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, सुबह 9:37 बजे मुकुंदपुर-II के ईशु विहार, गली नंबर-1 से धमाके और मकान गिरने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी गिरिराज ने बताया कि शुरुआती जांच में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट को हादसे का कारण माना जा रहा है। विस्फोट के चलते करीब 250 वर्ग गज में फैला एक मंजिला मकान पूरी तरह ढह गया।

राहत दल ने अब तक मलबे से 6 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। इनमें दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं, जबकि दो महिलाएं भी बचाए गए लोगों में शामिल हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए बीएसए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, मकान में कुछ मजदूर अपने परिवारों के साथ रहते थे। फिलहाल मलबा हटाने का काम जारी है। अधिकारियों का कहना है कि अभी किसी अन्य व्यक्ति के मलबे में फंसे होने की संभावना नहीं दिख रही है, हालांकि एहतियात के तौर पर तलाशी अभियान जारी रखा गया है। पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं और घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

दिल्ली : आप नेता सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

नई दिल्ली (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज की मुश्किलें बढ़ी हैं। दिल्ली पुलिस ने जनकपुरी इलाके की एक रेप पीड़िता की पहचान उजागर करने पर सौरभ भारद्वाज के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। पुलिस से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जनकपुरी स्थित स्कूल में तीन साल की बच्ची के साथ हुए बलात्कार के मामले में सौरभ भारद्वाज ने कथित तौर पर पीड़िता की पहचान उजागर की। इसके बाद पुलिस ने उन पर एफआईआर दर्ज की है। फिलहाल, जनकपुरी पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बता दें कि पिछले महीने कथित तौर पर स्कूल परिसर में एक बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई। इस पर आप नेता सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज देश में सबसे कम उम्र की एक कॉकरोच है- जो मात्र 3 साल की एक बच्ची है। जनकपुरी के एक स्कूल में उसके साथ बलात्कार हुआ। आरोपी स्कूल का 57 वर्षीय वरिष्ठ अधिकारी है। इस घटना के बाद उन्होंने दिल्ली पुलिस पर गंभीर सवाल उठाए थे। सौरभ भारद्वाज के अनुसार, पीड़िता की मां ने आरोप लगाया था कि स्थानीय एसएचओ और डीसीपी मामले को दबाने के लिए उनपर दबाव बना रहे हैं। आप नेता ने कहा कि पीड़िता के माता-पिता एम्स में दोबारा मेडिकल जांच कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन पुलिस इसके लिए तैयार नहीं है। भारद्वाज ने कहा कि इतनी नन्हीं पीड़िता को अब तक न्याय नहीं मिल पाया है। उन्होंने पूछा, पुलिस तीन साल की मासूम का एम्स में मेडिकल कराने को तैयार क्यों नहीं है? स्कूल के वरिष्ठ अधिकारी और आरोपी को कौन बचा रहा है? क्या इस सरकार में हर पीड़िता को न्याय तभी मिलेगा, जब सोशल मीडिया पर भारी बवाल मचेगा? इस घटना को लेकर आम आदमी पार्टी ने बीते दिनों दिल्ली में विरोध प्रदर्शन भी किया था।

सिलिंडर ब्लास्ट से इमारत भरभराकर गिरी, दिल्ली में एक व्यक्ति फंसा, तीन बचाए गए

नई दिल्ली (आरएनएस)। बाहरी दिल्ली के भलस्वा डेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मुकुंदपुर (ईशू विहार, गली नंबर-1) में मंगलवार, 2 जून 2026 की सुबह एक बड़ा और भयानक हादसा हो गया। सुबह करीब साढ़े नौ बजे एक मकान में जोरदार धमाका हुआ, जिसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि पल भर में ही पूरी इमारत ढह गई और मलबे के ढेर में तब्दील हो गई। इस जोरदार धमाके की आवाज सुनकर पूरे इलाके में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रारंभिक जांच और सूचना के अनुसार, यह भीषण हादसा घरेलू गैस सिलिंडर ब्लास्ट (LPG Cylinder Blast) होने के कारण हुआ है। चौंकाने वाली बात यह है कि राहत कार्य के दौरान मलबे के भीतर से अब तक आधा दर्जन (6) सिलिंडर बरामद किए जा चुके हैं, जिससे धमाके की तीव्रता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

केंद्र सरकार ने आप्रवास और विदेशियों के नियमों को किया अधिसूचित, प्रक्रिया में कई बदलाव

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने आप्रवास और विदेशियों के नियमों में संशोधनों का नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके तहत यह अनिवार्य किया गया है कि भारत में 180 दिनों तक के वीजा पर आने वाले विदेशियों को, अगर वे देश में अपना प्रवास बढ़ाना चाहते हैं, तो अपने वीजा की अवधि समाप्त होने से पहले ही अपना पंजीकरण करवाना होगा। 1 जून की राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित ये संशोधन नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। आप्रवास और विदेशियों विषयक नियम-2026 के तहत विदेशियों के पंजीकरण की प्रक्रिया, भारतीय माता-पिता वाले बच्चों से जुड़े प्रावधानों, आपातकालीन पंजीकरण मामलों और अपील तंत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इस संशोधन के अनुसार, भारत में आगमन के 180 दिन पूरे होने से पहले कभी भी पंजीकरण कराया जा सकता है। पहले, 180 दिन की अवधि समाप्त होने के 14 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य था। हालांकि, इस अवधि के बाद पंजीकरण सिर्फ आपातकालीन परिस्थितियों में ही स्वीकार्य होगा।

अधिसूचना में कहा गया है कि निर्धारित अवधि के बाद विलंबित पंजीकरण की अनुमति सिर्फ असाधारण परिस्थितियों में ही दी जाएगी। इसमें यह शर्त जोड़ी गई है कि ऐसा पंजीकरण केवल आपातकालीन परिस्थितियों में ही प्रदान किया जाएगा। गृह मंत्रालय ने उन बच्चों के संबंध में छूट भी शुरू की है, जो भारतीय और विदेशी, दोनों तरह की नागरिकता का दावा कर सकते हैं। संशोधित नियमों के तहत, पंजीकरण की आवश्यकता उन मामलों में लागू नहीं होगी, जहां माता-पिता में से कोई एक भारतीय नागरिक हो और नागरिकता अधिनियम-1955 की धारा 3 के तहत बच्चे की भारतीय नागरिकता को बनाए रखना चाहता हो।

अधिसूचना में आगे यह भी प्रावधान है कि अगर बच्चा भारत में रहते हुए बाद के किसी चरण में किसी विदेशी देश की नागरिकता प्राप्त कर लेता है, तो माता-पिता में से कोई एक, बच्चे की ओर से विदेशी देश की नागरिकता प्राप्त करने के 30 दिनों के भीतर पंजीकरण अधिकारी को इस स्थिति की सूचना देगा।

खुशियों के आंगन में पसरा मातम : पिता बनने की खुशी मनाने घर आए सेना के जवान की हादसे में मौत, 17 दिन के नवजात को छोड़, 3 साल के मासूम ने दी मुखाग्नि

झुंझुनूं (आरएनएस)। नियति का क्रूर खेल किसे कहते हैं, इसका एक ऐसा कलेजा चीर देने वाला मंजर राजस्थान के झुंझुनूं जिले के इंडाली गांव में देखने को मिला, जिसने हर आंख को नम कर दिया। जिस घर में अभी महज 17 दिन पहले गूंजी किलकारियों का उत्सव मनाने की तैयारियां चल रही थीं, वहां अचानक चीख-पुकार मच गई। भारतीय सेना के 11 ग्रेनेडियर्स यूनिट में तैनात 29 वर्षीय जांबाज जवान सुनील कुमार, जो अपने नवजात बेटे के नामकरण संस्कार (दशोठण) की खुशियां मनाने छुट्टी पर घर आए थे, एक सड़क हादसे में जिंदगी की जंग हार गए। जब सोमवार को उनका पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटकर पैतृक गांव पहुंचा, तो पूरा इलाका सुबक उठा। नामकरण की खुशियां मातम में बदलीं सुनील कुमार साल 2017 में सेना में भर्ती हुए थे और लगभग 9 साल से देश की सरहदों की हिफाजत कर रहे थे। वर्ष 2019 में उनका विवाह रेखा (रिंकू) देवी से हुआ था। उनका एक तीन साल का बेटा युवराज है। अभी 17 दिन पहले ही उनकी पत्नी ने दूसरे बेटे को जन्म दिया था। इस दोहरी खुशी को अपनी आंखों में समेटे सुनील दो सप्ताह बाद होने वाले नामकरण संस्कार के लिए छुट्टी लेकर गांव आए थे। पूरा परिवार मंगल गीतों और उत्सव की तैयारियों में जुटा था, लेकिन किसी को क्या पता था कि खुशियों का यह सवेरा इतनी जल्दी काली रात में बदल जाएगा।

लॉन्च होते ही ठप हुआ सीबीएसई का री-इवैल्यूएशन पोर्टल, छात्रों को हुई परेशानी; बोर्ड ने दोबारा किया एक्टिव

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) का पुनर्मूल्यांकन और सत्यापन पोर्टल लॉन्च होते ही तकनीकी खामियों का शिकार हो गया। करीब चार दिन के इंतजार के बाद पोर्टल के सक्रिय होने से छात्रों को राहत मिली थी, लेकिन कुछ ही समय में सोशल मीडिया पर शिकायतों की बाढ़ आ गई। हालांकि, बोर्ड का दावा है कि पोर्टल को दोबारा सक्रिय कर दिया गया है।

छात्रों के अनुसार, लॉगिन विवरण दर्ज करने के बाद स्क्रीन फ्रीज हो रही थी, जिससे आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही थी। कई छात्रों ने पोर्टल में आ रही तकनीकी गड़बड़ियों के वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किए हैं। वहीं, कुछ छात्रों ने लॉगिन संबंधी समस्याओं की शिकायत दर्ज कराई है।

पोर्टल में आई इन तकनीकी दिक्कतों के बाद छात्रों और अभिभावकों में नाराजगी बढ़ गई है। यह समस्या ऐसे समय सामने आई है, जब बोर्ड की ओर से पोर्टल लॉन्च को लेकर कई बार आश्वासन दिए जा चुके थे। छात्रों का कहना है कि लंबे इंतजार के बाद सेवा शुरू हुई, लेकिन कुछ ही समय में उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बताया जा रहा है कि इस समस्या से 4,04,319 से अधिक छात्र प्रभावित हुए हैं, जिन्हें इस वर्ष अंकों के सत्यापन, उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करना है।

सीबीएसई की नई ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को लेकर पहले से ही विवाद बना हुआ है। इसी बीच Dharmendra Pradhan ने अनुमान जताया था कि मूल्यांकन की गई उत्तर पुस्तिकाओं को देखने वाले लगभग हर पांच में से एक छात्र सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकता है। इसके आधार पर करीब 80 हजार आवेदन मिलने की संभावना व्यक्त की गई थी।

कक्षा 12वीं के परिणाम घोषित होने के बाद से ही पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया सवालों के घेरे में रही है। छात्रों और अभिभावकों ने भुगतान गेटवे में खराबी, अतिरिक्त शुल्क कटने, रसीद न मिलने, लॉगिन संबंधी समस्याओं तथा स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं तक पहुंच में कठिनाइयों की शिकायत की है।

सीजेआई ने पांच नए जजों को दिलाई शपथ, सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या हुई 37

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के पांच नए जजों को पद की शपथ दिलाई। जस्टिस शील नागू, श्रीचंद्रशेखर, संजीव सचदेवा, अरुण पल्ली, और साथ ही वरिष्ठ वकील वी. मोहना ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर केंद्र सरकार द्वारा उनकी नियुक्तियों को मंजूरी दिए जाने के बाद सर्वोच्च न्यायालय के जज के तौर पर शपथ ली। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 37 हो गई है।

22 मई और 27 मई को हुई बैठकों में कॉलेजियम की सिफारिशों पर केंद्र सरकार ने सोमवार को चार हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों और वरिष्ठ वकील मोहना को सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत करने की मंजूरी दी। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) से सलाह-मशविरा करने के बाद, जस्टिस शील नागू, जस्टिस श्री चंद्रशेखर, जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस अरुण पल्ली, और साथ ही वरिष्ठ वकील वी. मोहना को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया है।

कॉलेजियम ने सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर एक बयान में बताया कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 22 और 27 मई को हुई बैठकों में, निम्नलिखित व्यक्तियों को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नत करने की सिफारिश की है। जस्टिस नागू को मई 2011 में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था और जुलाई 2024 में उन्होंने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभाला।

लेबनान पर इजरायली हमलों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार की चुप्पी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली(आरएनएस)। राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने लेबनान पर इजरायल के हमलों की निंदा की है। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। जयराम रमेश ने कहा कि सरकार ने इजरायल की ओर से लेबनान को तबाह करने और अमेरिका-ईरान समझौते को पटरी से उतारने की कोशिशों पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, पश्चिम एशिया में युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है। ऐसे किसी समझौते का तत्काल प्रभाव होर्मुज स्ट्रेट के फिर से खुलने और तेल की कीमतों पर दबाव कम होने के रूप में सामने आएगा और इन दोनों मुद्दों से भारत के बड़े हित जुड़े हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, यह बातचीत अब तक अंतिम रूप नहीं ले सकी है, जिसकी मुख्य वजह लेबनान में इजरायल की जारी सैन्य कार्रवाई है, जिसमें अभूतपूर्व घुसपैठ देखने को मिली है। खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेकर बेहद नाराजगी और गुस्सा जाहिर किया है, यहां तक कि अपशब्दों का इस्तेमाल भी किया है। दुनिया के कई अन्य देशों ने भी लेबनान में इजरायल के हमले की निंदा की है।

जयराम रमेश ने पोस्ट में लिखा, हैरानी की बात नहीं कि जिस एक सरकार के मुखिया ने इजरायल की ओर से लेबनान को तबाह करने और अमेरिका-ईरान समझौते को पटरी से उतारने की कोशिशों पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है, वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

जय शाह की मीटिंग में बड़ा उलटफेर, बदल गया चैंपियंस ट्रॉफी का शेड्यूल, भारत-पाक मैच को लेकर आईसीसी का बड़ा फैसला

अहमदाबाद (आरएनएस)। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जहां एक तरफ क्रिकेट प्रेमी आईपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले के रोमांच में डूबे हुए थे, वहीं दूसरी तरफ जय शाह की अध्यक्षता में आईसीसी (ICC) बोर्ड की एक बेहद महत्वपूर्ण और हाई-प्रोफाइल मीटिंग चल रही थी। इस मीटिंग में विश्व क्रिकेट, खासकर महिला क्रिकेट को लेकर कई दूरगामी और बड़े फैसले लिए गए हैं। आईसीसी बोर्ड ने अगले साल आयोजित होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी के शेड्यूल को पूरी तरह बदल दिया है, जिससे क्रिकेट शेड्यूल में बड़ा उलटफेर देखने को मिलेगा।

जून-जुलाई की जगह अब फरवरी में मचेगा धमाल

आईसीसी ने पिछले साल ही यह घोषणा की थी कि पुरुषों की तर्ज पर अब महिला क्रिकेट में भी 8 टीमों वाली चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत की जाएगी। पहले इस टूर्नामेंट के लिए जून-जुलाई 2027 की विंडो निर्धारित की गई थी। लेकिन अहमदाबाद में हुई इस ताजा बैठक में इस शेड्यूल को बदलते हुए टूर्नामेंट को साल की शुरुआत में शिफ्ट कर दिया गया है। अब यह बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट 14 से 28 फरवरी 2027 के बीच खेला जाएगा। आपको बता दें कि पुरुषों की

चैंपियंस ट्रॉफी (जो वनडे फॉर्मेट में होती है) से अलग, महिलाओं का यह टूर्नामेंट फटाफट क्रिकेट यानी टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा।

पाकिस्तान में नहीं खेलेगी भारतीय टीम

आईसीसी बोर्ड की इस मीटिंग में सबसे बड़ा और कड़ा फैसला महिला टी20 वर्ल्ड कप 2028 को लेकर लिया गया है। दो साल बाद होने वाले इस मेगा इवेंट की मेजबानी पाकिस्तान को सौंपी गई है। लेकिन दोनों देशों के बीच चल रही राजनीतिक तनातनी और सुरक्षा कारणों को देखते हुए आईसीसी ने साफ कर दिया है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपने मैच खेलने पाकिस्तान नहीं जाएगी। टीम इंडिया के सभी मुकाबले किसी न्यूट्रल वेन्यू (जैसे यूएई या श्रीलंका) पर आयोजित किए जाएंगे।

गौरतलब है कि इससे पहले मेंस चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भी भारतीय टीम ने पाकिस्तान का दौरा करने से साफ मना कर दिया था। वहीं, पिछले साल महिला वनडे वर्ल्ड कप और इस साल हुए मेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तानी टीम को भारत आना पड़ा था। इसी सिलसिले को बरकरार रखते हुए आईसीसी ने भारत के कड़े रुख के आगे झुकते हुए न्यूट्रल वेन्यू के विकल्प पर मुहर लगा दी है।

इसी साल लॉन्च होगा नया टूर्नामेंट 'विमेंस एमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी'

महिला क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए आईसीसी इसी साल (2026) एक बिल्कुल नया और अनोखा टूर्नामेंट लॉन्च करने जा रही है। इस नए टूर्नामेंट का नाम 'विमेंस एमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी' रखा गया है, जो टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। आईसीसी ने इसके ढांचे को लेकर बड़ा फैसला करते हुए तय किया है कि इस टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। खेल को रोमांचक बनाने के लिए इसमें 5 फुल मेंबर (पूर्ण सदस्य) देशों की टीमें होंगी, जबकि बाकी 5 टीमें एसोसिएट मेंबर (सहयोगी सदस्य) देशों की शामिल की जाएंगी, जिससे उभरती हुई महिला खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बेहतरीन मंच मिलेगा।

विदेश मंत्रालय का सीधा जवाबः इंडिया-नेपाल सीमा विवाद में किसी थर्ड पार्टी की भूमिका नहीं

नई दिल्ली (ए.)। नेपाल के साथ सीमा विवाद को सुलझाने में किसी भी तीसरे पक्ष की भागीदारी को भारत ने मंगलवार को खारिज कर दिया, जबकि कुछ ही दिन पहले ऐसी खबरें आई थीं कि नेपाली प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह ने इस लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे को सुलझाने के लिए चीन और यूनाइटेड किंगडम की भागीदारी मांगी थी। नेपाल के प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह की 'भारत अतिक्रमण' वाली टिप्पणी के संबंध में मीडिया के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए विदेश मंत्री के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सभी संबंधित पक्षों को यह स्पष्ट होना चाहिए कि भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय मामलों का समाधान केवल दोनों देशों के बीच ही होना चाहिए और ऐसे मामलों में किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि भारत-नेपाल सीमा का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा पहले ही सीमांकित हो चुका है, हालांकि कुछ हिस्सों में कुछ मुद्दे अभी भी अनसुलझे हैं। उन्होंने कहा कि भारत-नेपाल सीमा का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा पहले ही निर्धारित किया जा चुका है। हालांकि, कुछ हिस्सों में कुछ मुद्दे अनसुलझे रह गए हैं। गंडक नदी के मार्ग में परिवर्तन के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। जायसवाल ने आगे कहा कि इसके अलावा, कुछ सीमांकित क्षेत्रों में सीमा पार अतिक्रमण और नो-मैन्स लैंड पर अतिक्रमण के मामले हैं, जिनका संयुक्त रूप से मानचित्रण किया जा रहा है। जायसवाल की ये टिप्पणी रैपर से राजनेता बने शाह के रविवार के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि लिपुलेख दर्रे के सीमा विवाद पर भारत के साथ चर्चा के अलावा नेपाल चीन और ब्रिटेन के भी संपर्क में है। उन्होंने कहा कि चूंकि यह समस्या उस समय से चली आ रही है जब ब्रिटिश भारत ने इस क्षेत्र को छोड़ा था, इसलिए हमारा मानना है कि इस मामले में इंग्लैंड को भी शामिल किया जाना चाहिए। शाह ने संसद के मौजूदा सत्र में अपनी पहली उपस्थिति के दौरान कहा कि आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि मुझे यह तथ्य प्रधानमंत्री बनने के बाद ही पता चला। केवल भारत ने ही नेपाली क्षेत्र पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय क्षेत्र पर अतिक्रमण किया है। नेपाल और भारत के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर पुराना सीमा विवाद है। भारत लगातार यह दावा करता रहा है कि ये क्षेत्र उत्तराखंड का हिस्सा हैं।

केरल में लंबा हुआ इंतजार, आईएमडी ने दी 4 जून को दस्तक की नई तारीख

तिरुवनंतपुरम (ए.)। केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून चार जून के आसपास दस्तक दे सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह पूर्वानुमान जताया। केरल में मानसून आम तौर पर एक जून के आसपास पहुंच जाता है, जिसे दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम (जून-सितंबर) की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। आईएमडी ने अपने दैनिक पूर्वानुमान में कहा, ''दक्षिण-पश्चिम एवं दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, लक्षद्वीप तथा केरल और तमिलनाडु के कुछ भागों में चार जून के आसपास दक्षिण-पश्चिम मानसून के और आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। पूर्वानुमान के मुताबिक, मानसून दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों तथा दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के बाकी भागों में भी इसी तारीख के आसपास आगे बढ़ेगा। आईएमडी ने पहले अनुमान जताया था कि केरल में मानसून की दस्तक 26 मई के आसपास होगी। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। बाद में विभाग ने 29 मई को कहा कि मानसून अगले हफ्ते पहुंच सकता है। पिछले हफ्ते विभाग ने अपने संशोधित पूर्वानुमान में कहा कि इस बार मानसूनी बारिश सामान्य से कम रहेगी। आईएमडी ने कहा कि भारत में इस साल दीर्घकालिक औसत (एलपीए) की 90 फीसदी बारिश होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री ने तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर वहां के लोगों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के विशेष अवसर पर तेलंगाना के लोगों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि तेलंगाना के लोग अपनी नवाचार और उद्यमशीलता की भावना के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने राज्य की गौरवशाली संस्कृति और साहस एवं दृढ़ संकल्प के इतिहास का भी उल्लेख किया। श्री मोदी ने विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने में तेलंगाना के विकास पथ को समर्थन देने की दिशा में केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता जताते हुए राज्य के लोगों के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता के लिए प्रार्थना भी की।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में लिखा

''तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के विशेष अवसर पर तेलंगाना के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं। तेलंगाना के लोग अपनी नवाचार और उद्यमशीलता की भावना के लिए जाने जाते हैं। यह राज्य अपनी गौरवशाली संस्कृति और इतिहास के लिए प्रसिद्ध होने के साथ-साथ साहस और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। केंद्र सरकार विकसित भारत के अपने स्वप्न को साकार करने में तेलंगाना के विकास पथ को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य के लोगों के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता के लिए प्रार्थना।

बाजार नियामक सेबी में दो अहम पदों पर नियुक्ति, सरकार ने आवेदन आमंत्रित किए

टोक्यो, (ए.)। जापान में उष्णकटिबंधीय तूफान जांगमी (टाइफून नंबर-6) के प्रभाव से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। मंगलवार दोपहर तक तूफान से जुड़ी घटनाओं में नौ लोग घायल हो गए, जबकि ओकिनावा और कागोशिमा प्रांतों में 47 हजार से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

जापान के मौसम विज्ञान ने क्या जानकारी दी?

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, मंगलवार सुबह 11:45 बजे तक जांगमी कागोशिमा प्रांत के याकूशिमा द्वीप से लगभग 140 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित था और 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पूर्व दिशा में बढ़ रहा था। तूफान का केंद्रीय दबाव 975 हेक्टोपास्कल दर्ज किया गया, जबकि केंद्र के निकट हवाओं की गति 25 मीटर प्रति सेकंड तक पहुंच रही थी।

मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने बताया कि मंगलवार सुबह तक कागोशिमा और ओकिनावा में छह घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। कई स्थानों पर जलभराव, पेड़ गिरने और तेज हवाओं के कारण वस्तुओं के उड़ने की घटनाएं सामने आई हैं। घायल हुए सभी नौ लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

तूफान के कारण 47000 से ज्यादा घरों की बिजली ठप

तूफान के कारण दोनों प्रांतों में करीब 47,930 घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। परिवहन सेवाओं पर भी व्यापक असर पड़ा है। एहतियातन दो एक्सप्रेसवे मार्गों के 15 खंड बंद कर दिए गए हैं, जबकि एक रेल लाइन पर सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। इसके अलावा, छह अन्य रेल ऑपरेटरों ने 19 रेल लाइनों पर सेवाएं रोकने की योजना बनाई है।

खराब मौसम के चलते मुख्य रूप से क्यूशू क्षेत्र से आने-जाने वाली 300 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। समुद्री परिवहन भी प्रभावित हुआ है और किंकी, शिकोकू, क्यूशू व ओकिनावा क्षेत्रों में 57 कंपनियों के 64 नौवहन मार्गों पर सेवाएं स्थगित कर दी गई हैं।

राहत और बचाव कार्य तेज

सरकार ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए हैं। किहारा ने चेतावनी दी कि बुधवार सुबह से टोक्यो महानगरीय क्षेत्र में भी परिवहन सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। उन्होंने लोगों से स्थानीय प्रशासन के निकासी निर्देशों का पालन करने और समय रहते सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की।

मौसम एजेंसी ने जारी की चेतावनी

मौसम एजेंसी ने तेज हवाओं, ऊंची समुद्री लहरों, तूफानी ज्वार, भूस्खलन, बाढ़ और नदियों के उफान की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, जांगमी मंगलवार को दक्षिणी क्यूशू के करीब पहुंच सकता है और बुधवार को होंशू के दक्षिणी तट के साथ उत्तर-पूर्व दिशा में बढ़ते हुए शिकोकू व कांतो क्षेत्रों के निकट पहुंचने की संभावना है।

अमेरिका में भारतीय ड्राइवरों की धरपकड़ शुरु, 30 गिरफ्तार

-ऑपरेशन चेकमेट के तहत सभी डिपोर्ट होंगे

वाशिंगटन(ए.)। अमेरिका में ऑपरेशन चेकमेट के तहत भारतीय ड्राइवरों की धड़पकड़ शुरु हो गई है। अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों और बिना वैध दस्तावेजों के कमर्शियल वाहन चलाने वालों के खिलाफ वहां की सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ा और कड़ा अभियान शुरू किया है। इस विशेष अभियान को ऑपरेशन चेकमेट नाम दिया गया है, जिसके तहत हाल ही में अमेरिकी बॉर्डर पेट्रोल ने एरिजोना में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई के दौरान कुल 52 लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें से 36 लोग ऐसे हैं जो अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे थे और वहां की सड़कों पर बड़े कमर्शियल सेमी-ट्रक चला रहे थे। जांच में जो सबसे चौंकाने वाला और बड़ा खुलासा हुआ है, वह यह है कि इन 36 अवैध ट्रक ड्राइवरों में से कम से कम 30 ड्राइवर भारतीय नागरिक हैं।

अमेरिका में एक ही परिवार के 6 सदस्यों समेत 7 को गोलियों से भूना, मौत

हमलावर ने खुद को गोली मारकर किया खत्म

वॉशिंगटन(ए.)। अमेरिका का आयोवा राज्य सोमवार को गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। यहाँ के मुस्कोटीन शहर में कई स्थानों पर हुई भीषण गोलीबारी में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक संदिग्ध हमलावर ने अलग-अलग जगहों पर अंधाधुंध फायरिंग करके 6 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी और बाद में पुलिस घेराबंदी के दौरान खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। स्थानीय पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि यह पूरी घटना एक गंभीर पारिवारिक विवाद का नतीजा हो सकती है और सभी मृतक आरोपी के ही परिवार के सदस्य थे।

यह दिल दहला देने वाली वारदात दोपहर के वक्त घटित हुई, जब हमलावर ने शहर के दो अलग-अलग घरों और एक दुकान में जबरन घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। स्थानीय पुलिस प्रमुख के मुताबिक, दोपहर करीब 12 बजे विभाग को गोलीबारी की सूचना मिली थी। जब तक पुलिस बल मौके पर पहुँचा, तब तक काफी देर हो चुकी थी और प्राथमिक घटनास्थल से चार लोगों के शव बरामद किए गए। वारदात को अंजाम देने के बाद 52 वर्षीय संदिग्ध आरोपी रयान विलिस मैकफारलैंड मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने तुरंत व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर उसे एक स्थान पर खोज निकाला। हालांकि, जैसे ही पुलिस अधिकारी उसे गिरफ्तार करने के लिए आगे बढ़े, आरोपी ने खुद पर बंदूक तान दी और गोली चला दी। डॉक्टरों और पुलिस की टीम ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस को कुछ और जगहों पर भी हिंसा की जानकारी मिली। गहन तलाशी के दौरान एक अन्य घर और पास की एक दुकान से दो और शव बरामद हुए, जिनकी मौत भी गोली लगने के कारण हुई थी। पुलिस ने एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि यह पूरी घटना एक घरेलू विवाद का दुखद परिणाम लगती है। फिलहाल पुलिस सभी मृतकों की पहचान और घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

'अवैध रूप से ट्रांसजेंडर सैनिकों को प्रतिबंधित किया', अदालत का बड़ा फैसला; क्या ट्रंप सरकार के लिए झटका?

वॉशिंगटन (ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की वह नीति, जिसके तहत ट्रांसजेंडर सैनिकों को सैन्य सेवा से बाहर रखा गया था, अवैध है। संघीय अपील अदालत के न्यायाधीशों के एक विभाजित पैनल ने सोमवार को यह फैसला सुनाया।

अमेरिकी अपील अदालत के डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया सर्किट के तीन न्यायाधीशों के पैनल के बहुमत वाले फैसले में मार्च 2025 में वॉशिंगटन डीसी की अमेरिकी जिला न्यायाधीश एना रेयेस के फैसले को बड़े पैमाने पर बरकरार रखा गया।

वॉशिंगटन डीसी की कोर्ट ने क्या सुनाया था फैसला?

रेयेस ने अपने फैसले में कहा था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ट्रांसजेंडर सैनिकों को सैन्य सेवा से बाहर करने संबंधी कार्यकारी आदेश संभवत: उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। रेयेस द्वारा छह सक्रिय ट्रांसजेंडर सैन्यकर्मियों और सेना में शामिल होने की इच्छा रखने वाले दो अन्य लोगों की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी किए जाने के बाद प्रशासन ने इसके खिलाफ अपील की थी।

बाब अल-मंदेब को ठप करने की ईरानी धमकी

-वैश्विक तेल संकट का भारत पर होगा असर

तेहरान(ए.)। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर कड़ा नियंत्रण रखने के बाद, अब ईरान ने लेबनान के मुद्दे को लेकर एक और बेहद संवेदनशील समुद्री रास्ते बाब अल-मंदेब को बंद करने की धमकी दी है। लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ने वाला यह जलडमरूमध्य स्वेज नहर के जरिए एशिया और यूरोप के बीच होने वाले 12 प्रतिशत वैश्विक व्यापार का दक्षिणी दरवाजा है। खाड़ी देशों से रोजाना गुजरने वाला 60 से 80 लाख बैरल कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर जाता है। ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोही लगातार इस मार्ग को निशाना बनाने की चेतावनी दे रहे हैं। यदि ऐसा हुआ तो भारत भी प्रभावित होगा।

विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान के लिए बाब अल-मंदेब को पूरी तरह ब्लॉक करना आसान नहीं है। इसके एक छोर (यमन) पर भले ही हूतियों का आंशिक प्रभाव हो, लेकिन दूसरी तरफ जिबूती और इरिट्रिया में अमेरिका, फ्रांस, चीन और जापान जैसे शक्तिशाली देशों के सैन्य अड्डे हैं, जो लगातार समुद्री गश्त करते हैं।

हालांकि, पूरे रास्ते को बंद किए बिना भी हूती विद्रोही ड्रोन, मिसाइल और समुद्री बारूदी सुरंगों के जरिए जहाजों को डरा सकते हैं। यदि जहाज अपना रास्ता बदलकर अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप से जाते हैं, तो यात्रा में 10 से 14 दिन का समय बढ़ जाएगा, जिससे माल ढुलाई और बीमा का खर्च आसमान छूने लगेगा।

हूती विद्रोहियों का इस रूट पर आतंक नया नहीं है। नवंबर 2023 में हूतियों ने तुर्की से भारत आ रहे एक मालवाहक जहाज गैलेक्सी लीडर का लाल सागर में अपहरण कर लिया था। हालांकि इस जहाज पर कोई भारतीय नागरिक नहीं था, लेकिन इसके क्रू मेंबर्स को 15 महीने तक यमन के होदेदाह बंदरगाह पर बंधक बनाकर रखा गया, जिन्हें जनवरी 2025 में गाजा युद्धविराम के बाद रिहा किया गया। हूतियों के हमलों के कारण इस रूट से तेल और एलएनजी टैंकरों की आवाजाही पहले ही आधी रह गई है, और ईरान की नई धमकी ने वैश्विक ऊर्जा बाजार की चिंताएं और बढ़ा दी हैं।

फीचर

रानी चटर्जी ने दिखाई शूटिंग की झलक, वीडियो किया शेयर

मुंबई(ए.)। भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी आजकल अपनी फिल्म 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर फिल्म के लोकप्रिय गीत 'यू.पी. वाली बिहार वाली' का पर्दे के पीछे का एक खास वीडियो साझा किया है। रानी चटर्जी द्वारा इंस्टाग्राम पर साझा किए गए इस वीडियो में उनकी सह-कलाकार संजना सिंह भी नजर आ रही हैं। दोनों अभिनेत्रियां गाने की धुन पर उत्साह के साथ परफॉर्म करती दिखाई देती हैं। वीडियो में फिल्म के निर्देशक मंजुल ठाकुर भी मौजूद हैं, जो कलाकारों को गाने के स्टेप्स, भाव-भंगिमाओं और दृश्य की बारीकियों को समझाते हुए दिखाई देते हैं। शूटिंग के दौरान की यह झलक दर्शकों को फिल्म निर्माण की प्रक्रिया से रूबरू कराती है।

वीडियो साझा करते हुए रानी चटर्जी ने अपने प्रशंसकों से सवाल भी पूछा कि क्या उन्होंने यह गाना सुना है, जिसके बाद फैंस ने बड़ी संख्या में अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। फिल्म की कहानी उत्तर प्रदेश और बिहार की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें एक ही परिवार की दो बहुओं के बीच होने वाली नोकझोंक, तकरार और भावनात्मक रिश्तों को मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में रानी चटर्जी बड़ी बहू यानी जेठानी की भूमिका निभा रही हैं, जबकि संजना सिंह छोटी बहू यानी देवरानी के किरदार में नजर आती हैं। दोनों के बीच दिखाए गए मजेदार संवाद और परिस्थितियां कहानी को रोचक बनाती हैं। एक ओर लखनऊ की आधुनिक और शाही संस्कृति का प्रभाव दिखता है, तो दूसरी ओर बिहार की पारंपरिक जीवनशैली और सादगी को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है।

फिल्म का निर्देशन मंजुल ठाकुर ने किया है, जबकि निर्माण की जिम्मेदारी संदीप सिंह और मंजुल ठाकुर ने संभाली है। इसकी कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है। फिल्म में रानी चटर्जी और संजना सिंह के अलावा प्रशांत सिंह, अलोक सिंह, रीना रानी, ललित उपाध्याय, श्वेता वर्मा और प्रेम दुबे भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म का प्रारंभिक नाम 'यू.पी. वाली बिहार वाली' रखा गया था, लेकिन रिलीज से पहले निर्माताओं ने इसे बदलकर 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' कर दिया। फिल्म का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 23 और 24 मई को हुआ था। इसके बाद से इसे दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

माधुरी ने 'डोला रे डोला' की शूटिंग के दौरान प्रेग्नेंट होने की अफवाह को किया खारिज

मुंबई (ए.)। हाल ही में अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने उस दावे पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें कहा गया था कि फिल्म 'देवदास' के लोकप्रिय गीत 'डोला रे डोला' की शूटिंग के दौरान वह गर्भवती थीं। माधुरी ने इस पूरे मामले पर अपनी बात रखते हुए अफवाहों को खारिज कर दिया है। यह दावा प्रसिद्ध कोरियोग्राफर सरोज खान की पूर्व सहयोगी रुबीना खान ने एक इंटरव्यू में किया था। जब माधुरी से इस दावे के बारे में पूछा गया तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "अरिन का जन्म 2003 में हुआ था, इसलिए आप खुद हिसाब लगा सकते हैं।" अभिनेत्री का यह जवाब साफ संकेत देता है कि 'डोला रे डोला' की शूटिंग के समय उनके गर्भवती होने की बात तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है।

मलयालम भाषा हमारे लिए काफी चुनौतीपूर्ण : जाह्नवी कपूर

मुंबई (ए.)। दक्षिण भारतीय फिल्मों में भी सक्रिय हो चुकी जाह्नवी ने हाल ही में मलयालम भाषा और दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपने अनुभवों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण साबित हुई है और भविष्य में वह इस भाषा की फिल्मों में काम करने से बचना चाहेंगी। हालांकि, उन्होंने मलयालम को बेहद सुंदर और समृद्ध भाषा बताते हुए उसके प्रति सम्मान भी व्यक्त किया। एक साक्षात्कार में जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों को समझने तथा उनमें काम करने की इच्छुक हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रखने के बाद उन्हें नई भाषाओं और अभिनय शैलियों को सीखने का अवसर मिला है। हालांकि, मलयालम भाषा के उच्चारण और उसकी जटिल ध्वनियों ने उनके लिए काम को काफी कठिन बना दिया। जाह्नवी ने कहा कि तमिल और तेलुगु भाषाओं की ध्वनियों से वह अपेक्षाकृत परिचित महसूस करती हैं, इसलिए इन भाषाओं में काम करना उनके लिए अधिक सहज है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि मलयालम भाषा बेहद खूबसूरत है, लेकिन उसके उच्चारण को सही तरीके से सीखना उनके लिए आसान नहीं रहा।

साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर ने कम समय में कई महत्वपूर्ण फिल्मों में अभिनय किया है। 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवरा: पार्ट 1' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को सराहा गया। वर्ष 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवरा- पार्ट 1' के जरिए दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रखने के बाद उनका झुकाव क्षेत्रीय फिल्मों की ओर भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि तेलुगु फिल्म उद्योग में काम करने का अनुभव उनके लिए बेहद सुखद रहा है और भविष्य में वह तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहती हैं।

'अल्फा' में आलिया भट्ट निभाएंगी 'अल्फा किलर' की भूमिका

मुंबई (ए.)। बहुप्रतीक्षित स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' में पहली बार बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट एक दमदार एक्शन अवतार में दिखाई देंगी। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म से जुड़े सूत्रों ने आलिया के किरदार को लेकर कुछ दिलचस्प जानकारियां साझा की हैं, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। फिल्म की निर्माण टीम से जुड़े सूत्रों के अनुसार, 'अल्फा' में आलिया भट्ट एक बेहद प्रशिक्षित और खतरनाक जासूस की भूमिका निभाती नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि उनका किरदार 'अल्फा किलर' के नाम से जाना जाएगा, जिसे विशेष रूप से दुश्मनों का सफाया करने और कठिन मिशनों को अंजाम देने के लिए तैयार किया गया है। यह किरदार केवल पारंपरिक नायक की छवि तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में सामने आएगा जो अपने फैसले स्वयं लेता है और परिस्थितियों के अनुसार कार्य करता है। सूत्रों का कहना है कि यशराज फिल्म्स के प्रमुख आदित्य चोपड़ा इस फिल्म के जरिए दर्शकों को एक नया दृष्टिकोण देना चाहते हैं। उनका उद्देश्य ऐसा किरदार प्रस्तुत करना है, जिसे केवल सही और गलत के पैमाने पर न आंका जाए, बल्कि उसकी सोच, संघर्ष और व्यक्तित्व को समझा जाए। माना जा रहा है कि 'अल्फा' का मुख्य आकर्षण भी यही होगा कि इसमें नायिका को पूरी तरह केंद्र में रखकर कहानी को आगे बढ़ाया गया है। फिल्म उद्योग से जुड़े जानकारों का मानना है कि यह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। अब तक इस फ्रेंचाइजी की फिल्मों में पुरुष जासूसों की कहानियां प्रमुख रही हैं, लेकिन 'अल्फा' पहली ऐसी फिल्म होगी, जिसमें एक महिला किरदार पूरी कहानी की धुरी बनेगी। इससे स्पाई यूनिवर्स में एक नया रचनात्मक विस्तार देखने को मिल सकता है। हालांकि, इन दावों को लेकर यशराज फिल्म्स की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। स्टूडियो के प्रवक्ता ने कहा है कि दर्शकों को फिल्म के पहले टीजर या आधिकारिक झलक का इंतजार करना चाहिए। उन्होंने फिलहाल सामने आ रही चर्चाओं की न तो पुष्टि की और न ही उनका खंडन किया। 'अल्फा' में आलिया भट्ट के साथ अभिनेत्री शरवरी वाघ भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वहीं अभिनेता बॉबी देओल फिल्म में मुख्य खलनायक के रूप में नजर आएंगे। दमदार एक्शन, रोमांचक कहानी और महिला-केंद्रित कथानक के कारण यह फिल्म पहले से ही वर्ष की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल हो चुकी है।

हाउसिंग बोर्ड तिराहे पर फंस गई ट्राली दो जेसीबी से निकालनी पड़ी

वर्षा ऋतु लगने से पूर्व ही शहर के बिगड़ने लगे हालात

>>> प्री-मानसून की हल्की बारिश से सड़कों की खोल दी पोल
>>> ठेकेदारों का कमाल, सड़कें कर दी खस्ताहाल

नर्मदापुरम(निप्र)। गुजराती ठेकेदारों और अन्य कार्य करने वाले पेटी कांट्रेक्टरों के द्वारा जो सड़कों की खुदाई कर सीवरेज लाइन बनाने और अमृत-टू की पाइप लाइन जमीन के अंदर बिछाने की नाटक नौंटकी की जा रही है। इससे पूरे शहर की सड़कों की हालत खस्ताहाल हो चुकी हैं। शासन प्रशासन में बैठे लोगों की या किसी की कोई मजाल नहीं कि ठेकेदार को कुछ कह सकें। सड़कों की खुदाई करने के बाद आधी अधूरी मिट्टी हटाने की कवायद की जाती है। उसे भी किसी अन्य लोगों को ट्राली भर कर बेंच दिया जाता है। जिससे ठेकेदार के पेटी कांटेक्टर की कमाई हो जाती है। जिस जगह खुदाई होती है वहां पर ऊपर ऊपर कुछ मिट्टी डाल कर ऐसे ही सड़क को महिनों पड़ी रहने दिया जाता है। बची हुई मिट्टी सड़क पर ही बिखरती रहती है। जिससे बारिश होने पर लोगों के दो पहिया वाहन फिसलते हैं पैदल यात्रियों को दल दल में से गुजरना पड़ता है। सीवरेज लाइन के चक्कर में कई तरह की परेशानी दो तीन वर्ष से शहर के नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है।

ट्राली का पहिया भरा गया खुदी हुई जगह में

सीवरेज और अमृत की पाइप लाइन डालने वाले ठेकेदारों ने हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में मंदिर के तिराहे के पास तीन दिन तक खुदाई करते हुए पाइप लाइन डालने के दौरान इस क्षेत्र के लोगों को बहुत परेशान किया था। जैसे तैसे पाइप डालने के बाद वहां पर आधी अधूरी मिट्टी डालकर चलते बने। मंगलवार को एक रेत से भरी ट्राली सड़क पर से जा रही थी उस स्थान पर पहुंची जहां पर पाइप लाइन डाली गई थी। वहां पर ट्राली का पहिया ऐसा घुसा कि पूरा पहिया नीचे तक चला गया। इसे निकालने के लिए जेसीबी बुलवानी पड़ी लेकिन एक जेसीबी से ट्राली नहीं निकल पा रही थी तब दूसरी जेसीबी को बुलवाना पड़ा तब कहीं दो घंटे की मशक्कत के बाद ट्राली निकल पाई।

अभी तो प्री-मानसून की ही बारिश हुई है। जून लग चुका है। शहर के अधिकांश हिस्से में खुदाई का कार्य हुआ है। जिससे पूरे क्षेत्र में लोगों को बरसात में परेशानी झेलनी पडेगी। क्योंकि ठेकेदार ने जो सड़कों की खुदाई की है वहां पर खानापूर्ति करके छोड़ दिया है। अब शहरवासी परेशानी भुगतने के लिए तैयार रहें। क्योंकि शहर के जबावदारों लोगों के मुंह सिले हुए हैं।

बारिश शुरू होने से पूर्व ही सताने लगी बिजली, बार बार हो रही अघोषित कटौती

नर्मदापुरम(निप्र)। बीते एक माह से बिजली कंपनी के द्वारा धीमी गति से मेंटनेंस का कार्य किया जा रहा है। इसके बाद भी अभी बारिश शुरू भी नहीं हुई है। प्री-मानसून की हल्की बारिश के बावजूद ही बिजली की आंख मिचौली शुरू हो गई। दिन में अनेक बार तथा बीती रात में जब बारिश हो रही थी तब भी अनेक बार बिजली गुल होती रही। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। बिजली कंपनी की लापरवाही के कारण उपभोक्ताओं को बार बार परेशानी होती रहती है। लेकिन कंपनी के अधिकारी उपभोक्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लेते हैं। दूसरी और उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली कंपनी बिल तो पूरा लेती है। लेकिन सुविधा अधूरी रह जाती हैं। जिससे उपभोक्ता त्रस्त हैं।

गल्ती कंपनी की भुगतना पड़ रहा उपभोक्ताओं को

गलती बिजली कंपनी ने की है लेकिन उसका भुगतान उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है। कंपनी की गलती के कारण सही तरीके से मेंटनेंस नहीं हो रहा है। इस बात को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी बड़ रही है। लेकिन अब कोई नेता उपभोक्ताओं की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं क्योंकि चुनाव हो गए हैं।

नवनिर्मित सड़क का नपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम(निप्र)। वार्ड क्रमांक 17 में बन रही निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा किया गया। उन्होंने निर्माण एजेंसी को निर्देशित करते हुए कहा कि सीसी रोड की तराई का विशेष ध्यान रखें इससे सड़क बेहतर और मजबूत बनती है। उन्होंने निर्माण एजेंसी को निर्देशित करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण एवं समय सीमा में कार्य करें। सीसी रोड बन जाने से स्थानीय नागरिकों में बेहद खुशी का माहौल है। उन्होंने नपाध्यक्ष श्रीमती यादव का आभार माना।

दोनो शासकीय महाविद्यालयों में क्यों शुरू नहीं हो रहा बी-एड कॉलेज

नर्मदापुरम(निप्र)। यह विडंबना ही है कि संभाग मुख्यालय के दो प्राचीन प्रतिष्ठित शासकीय कालेजों में बीएड कालेज प्रारंभ नहीं हो रहे हैं। पूर्व में नर्मदा महाविद्यालय में बीएड की कक्षाएं लगती थी। लेकिन अचानक बीएड कालेज बंद कर दिया गया। उसके बाद यहां पर अनेक बार छात्रों ने उनके पालकों ने पुन: बीएड कालेज शुरू करने की मांग उठाई लेकिन मांग को दबा दिया गया। शासन में बैठे बहरे अंधे मंत्रियों प्रशासनिक जबावदार अधिकारियों के कान में जूं नहीं रेंग सकी। इस कारण नर्मदा महाविालय तथा होम सांइस कालेज में बीएड जैसे कोर्स प्रारंभ करने की सार्थक व बहुप्रतिक्षित मांग पर ध्यान नहीं दिया गया। शहर के नागरिकों बुद्धिजीवियों के द्वारा पूर्व में भी शासकीय कालेजों में बीएड कालेज खोले जाने की मांग होती रही है। अब फिर नागरिकों के द्वारा नर्मदापुरम जिले से दो प्रमुख जबाददार जनप्रतिनिधि जिन्हें लोकसभा सांसद और राज्यसभा सांसद हैं। उनसे छात्र हितों में यह मांग की जा रही है। पूर्व सांसद जो शिक्षा मंत्री हैं। उनसे भी यह मांग की जा रही है कि वे उच्च शिक्षा मंत्री तक यह बात पहुंचाए कि संभाग मुख्यालय के दोनों शासकीय महाविद्यालयों में इसी सत्र से यहा अगले सत्र से बीएड कालेज जल्द शुरू किया जाए। लेकिन उनके द्वारा भी ध्यान नहीं दिया गया। जिससे विद्यार्थियों को बीएड कालेज की वास्तविक पढाई का लाभ मिल सके तथा पालकों का प्रायवेट कालेज में आर्थिक शोषण होना बंद हो सके।

अ.भा.कायस्थ महासभा ने समाज के संस्थापक पूर्व सांसद स्व.कैलाश नारायण सारंग का जन्मदिन 'मातृ पितृ दिवस' के रूप में मनाया

नर्मदापुरम(निप्र)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मध्यभारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के आव्हान एवं प्रदेश अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव के निर्देशानुसार 2 जून मंगलवार को नर्मदापुरम जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव के नेतृत्व में कायस्थ महासभा के संस्थापक पूर्व राज्यसभा सांसद स्व.कैलाश नारायण सारंग के जन्मदिन को मातृ पितृ दिवस के रूप में उनके बताए मार्ग पर चलते हुए आसरा वृद्ध आश्रम मालाखेड़ी जाकर वृद्धजनों की सेवा कर उन्हें फल,बिस्किट वितरित कर भावनाओं से भरा एक अनूठा सम्मान कार्यक्रम किया एवं सभी के हालचाल पूछे। सबसे पहले पुष्पमाला पहनाकर सभी का स्वागत किया,फिर एक-एक कर उनके चरण छूकर आशीर्वाद लिया।

अपने संबोधन में जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ ने कहा कि स्व.कैलाश सारंग ने अपना पूरा जीवन समाज और राष्ट्र सेवा को समर्पित किया। उनका सपना था कि समाज में हर वृद्ध को सम्मान मिले। इसी भावना के साथ उनकी जयंती को 'मातृ-पितृ भक्ति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा आज देशभर में सेवा,सहयोग और जनहित के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में कार्यकारिणी सदस्य जिला महामंत्री अशोक श्रीवास्तव ,जिला उपाध्यक्ष पवन सक्सेना,जिला महासचिव राजेश कुलश्रेष्ठ,जिला कोषध्यक्ष अजय निगम,सुश्री जय बाला निगम एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

जनहित के कार्यों को मिली गति

डोलरिया क्षेत्र में 132 केवी सब स्टेशन एवं ग्राम कोठरी में उप स्वास्थ्य केन्द्र हेतु भूमि हस्तांतरण के आदेश जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के द्वारा जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए डोलरिया क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति एवं वोल्टेज संबंधी समस्या का निराकरण के लिये महत्वपूर्ण पहल करते हुए ग्राम टेमलाकलां में 132 के.वी. सब स्टेशन हेतु 2.250 हैक्टेयर (5.55 एकड़) भूमि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड भोपाल के लिये म0प्र0 शासन उर्जा विभाग के पक्ष में हस्तांतरण करनें के आदेश दिये गये हैं। इस हस्तांतरण आदेश से डोलरिया क्षेत्र के ग्रामीणों को विद्युत आपूर्ति एवं वोल्टेज संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी।

इसी प्रकार बनखेडी तहसील के ग्राम कोठरी में उप स्वास्थ्य केन्द्र हेतु लगभग 2 वर्ष से भूमि की मांग की जा रही थी. इस संबंध में कलेक्टर नर्मदापुरम द्वारा सोमवार 1 जून को ग्राम कोठरी की शासकीय भूमि खसरा नंबर 223 में से 600 वर्गफिट भूमि मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के पक्ष में भूमि हस्तांतरण के आदेश दिये गये, जिससे ग्राम कोठरी एवं आसपास के ग्रामीणजन को स्वास्थ्य सुविधायें प्राप्त होंगी।

पिपरिया ने खंड स्तरीय जनसुनवाई के दौरान सुनी गईं आमजन की समस्याएं

नर्मदापुरम(निप्र)। मंगलवार को अनुभाग पिपरिया अंतर्गत खंड स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना गया तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयसीमा में निराकरण के निर्देश दिए गए। तहसील पिपरिया में आयोजित खंड स्तरीय जनसुनवाई में एसडीएम पिपरिया अकीप खान उपस्थित रहे। उन्होंने जनसुनवाई में आए आवेदकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का निराकरण एक सप्ताह के भीतर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार बनखेड़ी खंड स्तरीय जनसुनवाई में तहसीलदार बनखेड़ी द्वारा आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं तथा संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई कर त्वरित निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान तहसील पिपरिया में कुल 21 आवेदन तथा बनखेड़ी में कुल 06 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सिवनी मालवा विकासखंड स्तरीय जनसुनवाई में आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार प्रति सप्ताह आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई के तहत मंगलवार को सिवनी मालवा विकासखंड स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 15 आवेदन प्राप्त हुए।

प्राप्त आवेदनों में राजस्व विभाग के 07, मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के 04 तथा जनपद पंचायत सिवनी मालवा के 04 आवेदन शामिल रहे। जनसुनवाई के दौरान राजस्व विभाग के 02, जनपद पंचायत सिवनी मालवा के 02 तथा मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के 01 आवेदन का मौके पर ही त्वरित निराकरण कराया गया।

जनसुनवाई में खाद की समस्या लेकर पहुंचे ग्राम जाटामाऊ वन ग्राम के लगभग 25 से 30 ग्रामीणों की समस्या का भी तत्काल समाधान किया गया। ग्रामीणों के लिए ई-विकास प्रणाली के माध्यम से खाद प्राप्ति हेतु ई-टोकन जारी किए गए। इसके अतिरिक्त ग्राम गुरंजघाट के एक कृषक का भी ई-टोकन जारी कर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विजय राय द्वारा मौके पर ही त्वरित निराकरण कराया गया। जनसुनवाई के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनी मालवा सहित विकासखंड स्तरीय समस्त विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम में मानसून से पहले साकेत पंचायत का स्वच्छता अभियान बना मिसाल, हर रविवार हो रही नालियों की सफाई

नर्मदापुरम(निप्र)। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए जनपद पंचायत नर्मदापुरम के अंतर्गत ग्राम पंचायत साकेत में स्वच्छता अभियान युद्ध-स्तर पर जारी है। जलभराव और मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए पंचायत प्रशासन द्वारा हर रविवार नालियों व सार्वजनिक स्थानों की गहन सफाई कराई जा रही है।

यह अभियान सरपंच मृदु लता पटेल, सचिव रामाधार मालवीय एवं ग्राम रोजगार सहायक राजेंद्र सोलंकी के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। पंचायत प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि ग्रामीणों का स्वास्थ्य और सुरक्षा सर्वोपरि है। इस कार्य को औपचारिकता न मानकर पूरी जिम्मेदारी से धरातल पर उतारा जा रहा है। नालियों की नियमित सफाई से बारिश के पानी की सुगम निकासी सुनिश्चित होगी। इससे मच्छरों से फैलने वाली डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों और गंदगी जनित संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा।

पीएम आवास योजना 2.0: सीएमओ ने हितग्राहियों को शीघ्र निर्माण शुरू करने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम(निप्र)। नगर परिषद सोहागपुर के सभा कक्ष में मुख्य नगर पालिका अधिकारी धर्मेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत प्रथम किश्त प्राप्त करने वाले हितग्राहियों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में सीएमओ श्री शर्मा ने हितग्राहियों से सीधी चर्चा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि वे जल्द से जल्द मकान निर्माण कार्य प्रारंभ करें। उन्होंने हितग्राहियों को सख्त हिदायत दी कि शासन से प्राप्त राशि का उपयोग केवल आवास निर्माण में ही किया जाए, अन्य कार्यों में नहीं।

इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने भी हितग्राहियों को योजना से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी और निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए मार्गदर्शन किया। बैठक में आगामी किश्तों के भुगतान और आवास निर्माण की चरणबद्ध प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने कहा कि निर्माण की गति के आधार पर ही अगली किश्तें जारी की जाएंगी।

इस अवसर पर पार्षद धर्मदास बेलवंशी, जमील खान, पार्षद प्रतिनिधि जगदीश अहिरवार, पूर्व पार्षद राकेश चौरसिया सहित अन्य गणमान्य नागरिक और हितग्राही मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत शोभापुर में आयोजित जनसुनवाई में आवेदनों का मौके पर निराकरण, किसानों को मिली राहत

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम के निर्देश पर अनुविभाग सोहागपुर की ग्राम पंचायत शोभापुर में मंगलवार को साप्ताहिक जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित निराकरण किया गया। जनसुनवाई में कुल 12 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कई आवेदनों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जिससे आवेदकों को राहत मिली।

शिविर में आवेदक महेश कुमार ने उर्वरक कूपन के लिए आवेदन किया। अधिकारियों ने तत्काल e-विकास पोर्टल के माध्यम से उनका ऑनलाइन आवेदन कराकर टोकन बुक कराया।

सिवनिमालवा एसडीएम ने खेतों में पहुंचकर किया गिरदावरी कार्य का निरीक्षण, फसलों का किया सत्यापन

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में गिरदावरी कार्य की शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्व विभाग द्वारा लगातार मैदानी निरीक्षण किए जा रहे हैं। साथ ही सारा ऐप के माध्यम से मौके पर पहुंचकर गिरदावरी कार्य संपादित किया जा रहा है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं एसडीएम सिवनी मालवा द्वारा तहसील अंतर्गत ग्राम बराखड़ कला में खेतों पर पहुंचकर गिरदावरी कार्यवाही का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर खसरा नंबर 252, जिसका कुल रकबा लगभग 2.384 हेक्टेयर है तथा जो दत्त मंदिर के नाम दर्ज भूमि है, का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने पटवारी के मोबाइल ऐप के माध्यम से गिरदावरी कार्य का सत्यापन भी किया। एसडीएम ने मौके पर उपस्थित पटवारी एवं राजस्व अमले को निर्देशित किया कि गिरदावरी कार्य पूरी निष्पक्षता एवं वास्तविक स्थिति के आधार पर दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक खसरे की वास्तविक फसल प्रविष्टि खेत पर पहुंचकर ही ऐप के माध्यम से की जाए तथा कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

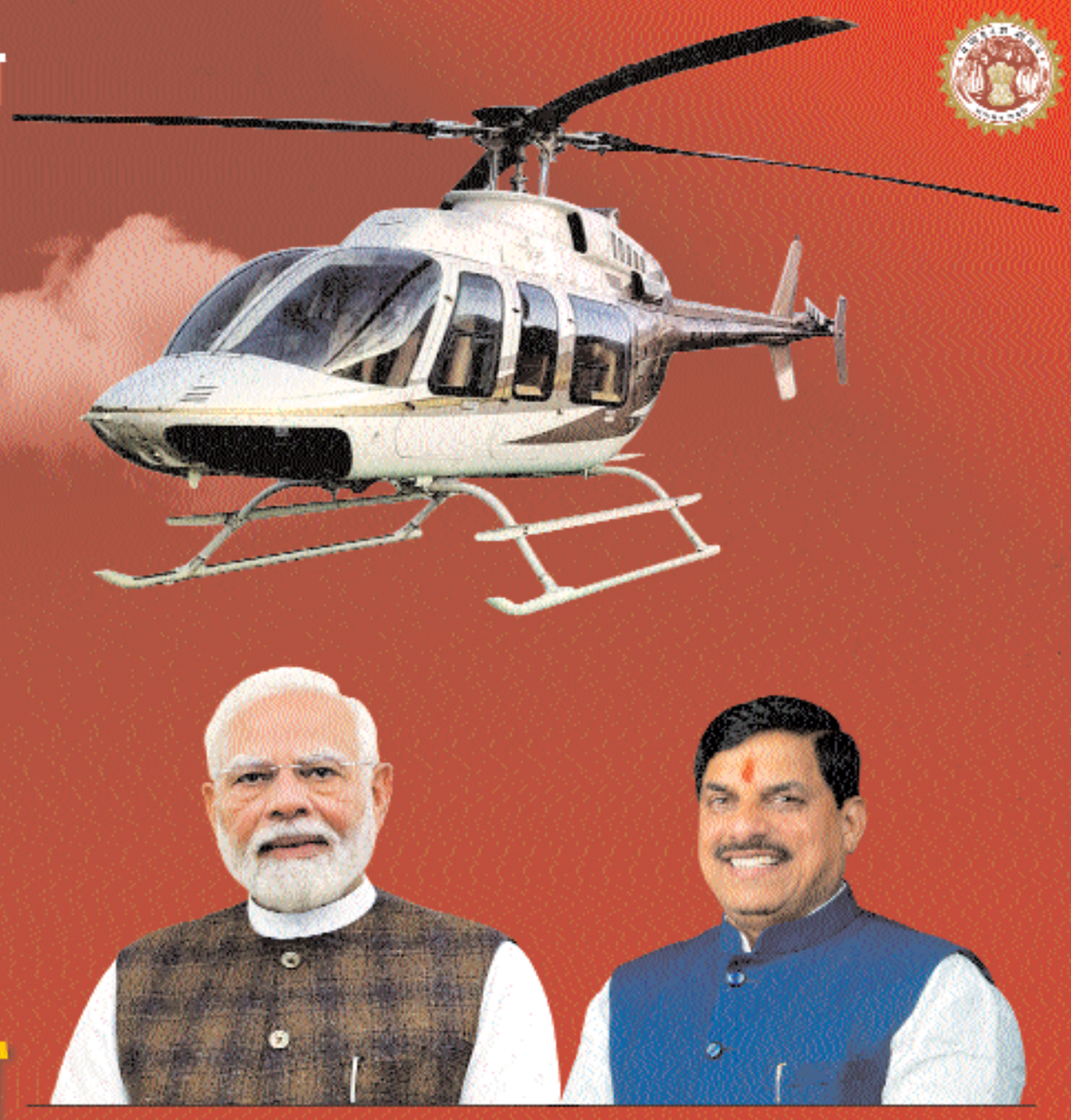

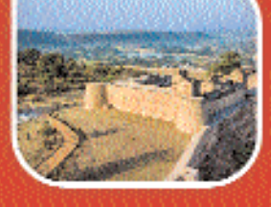

मध्यप्रदेश में पर्यटन का
नया अध्याय
पीएमश्री
हेली पर्यटन सेवा
तेज, सुरक्षित और यादगार
यात्रा का अनूठा अनुभव
भोपाल
झीलों की नगरी, मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल आधुनिक शहरी विकास और सांस्कृतिक विरासत का केन्द्र
WELCOME TO THE CITY OF LAKES
ओरछा
यहां भगवान राम स्वयं इस नगर के राजा के रूप में विराजे हैं
चंदेरी
प्राचीन किलों और हथकरघा चंदेरी साड़ियों के लिए विश्व प्रसिद्ध
जबलपुर
भेड़ाघाट की संगमरमर की घाटी, धुआंधार जलप्रपात और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय अनुभव
मैहर
चित्रकूट पर्वत पर स्थित माँ शारदा देवी मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र
चित्रकूट
भगवान श्रीराम के वनवास से जुड़ा, आध्यात्मिक महत्व का अद्भुत स्थल
बांधवगढ़ नेशनल पार्क
सबसे अधिक संख्या में बाघों की उपस्थिति। प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन का अद्वितीय स्थल
कान्हा नेशनल पार्क
सबसे प्रसिद्ध टाइगर रिज़र्व समृद्ध वन्यजीव और जैवविविधता का गढ़
इंदौर
मध्यप्रदेश की व्यापारिक राजधानी होने के साथ-साथ स्वच्छता का सिरमौर इंदौर अपने राजवाड़ा सराफा और आधुनिक जीवन के लिए प्रसिद्ध है
उज्जैन
भगवान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और सिंहस्थ कुंभ जैसे विशाल आध्यात्मिक आयोजन के लिए विश्वविख्यात
ओंकारेश्वर
ज्योतिर्लिंग के दिव्य दर्शन और अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव
आध्यात्मिक सर्किट
इंदौर - उज्जैन - ओंकारेश्वर - इंदौर ₹30,000
इंदौर - उज्जैन - इंदौर ₹14,500
इंदौर - ओंकारेश्वर - इंदौर ₹18,000
हेरिटेज सर्किट
भोपाल से चंदेरी ₹5,500
चंदेरी से ओरछा ₹2,750
भोपाल से ओरछा ₹6,500
जॉय राइड ₹3,500
भोपाल - ओरछा - भोपाल (विशेष पैकेज) ₹14,500
वाइल्डलाइफ एवं आस्था सर्किट
जबलपुर - मैहर ₹5,000
जबलपुर - बांधवगढ़ ₹6,500
जबलपुर - चित्रकूट ₹7,500
जबलपुर - कान्हा ₹6,000
मैहर - चित्रकूट ₹5,000
बांधवगढ़ - कान्हा ₹7,000
उज्जैन
इंदौर
ओंकारेश्वर
भोपाल
ओरछा
जबलपुर
मैहर
बांधवगढ़
कान्हा
D-11026/26
एक संपूर्ण
यात्रा पैकेज
• गंतव्य स्थल पर ठहरने की व्यवस्था से लेकर भोजन, स्थानीय टैक्सी तक हर सुविधा का पैकेज
• मंदिर दर्शन की पूर्व निर्धारित व्यवस्था, पर्यटन अनुभव को और खास बनाने के लिए गाइड
• हेलीपैड तक पिक-अप और ड्रॉप की सुविधा
बुकिंग
www.flyola.in
air.irctc.co.in/flyola
www.transbharat.in